हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 1 जुलाई 2025 | अंक 257/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

SALE
कलकत्ता कॉटन • फैन्सी कॉटन • गढ़वाल • सुपर नेट • कोसा • टसर • ऑर्गेंजा • फैन्सी वर्क • नेट वर्क • बांधणी • पैठणी • कांजिवरम • सिल्क वर्क • क्रेप सिल्क • बनारसी • डोला सिल्क • पोजीशन प्रिन्ट • सॉफ्ट सिल्क • लाछा • लहेंगा • वन/टु पिस
वैशाली
सराफा बाजार, इतवारी, नागपुर. समय: 10.00 से 7.30
9529081789, 9325112561 रविवार बंद
Gift sarees from ₹ 500/-

डीएनए मैच से अंतिम पीड़ित की हुई पहचान

अहमदाबाद. अहमदाबाद विमान दुर्घटना के दो हफ्ते से ज्यादा समय बाद डीएनए मैच से अंतिम पीड़ित की पहचान कर ली गई है. इसके बाद दुर्घटना में मृतकों की संख्या अब 260 हो गई है. ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश (40) इस विमान दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति हैं. अधिकारियों ने बताया कि अंतिम पीड़ित का पार्थिव शरीर उसके परिवार को सौंप दिया गया है. चिकित्सा अधिकारियों ने पहले मृतकों की संख्या 270 बताई थी.

आज से ट्रेनों का नया किराया लागू

यात्रियों की जेब पर पड़ेगा हल्का असर

नई दिल्ली.

भारतीय रेलवे ने आज से यात्री ट्रेनों के किराये में कुछ तार्किक संशोधन करने की घोषणा की है। इस निर्णय का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और रेलवे की वित्तीय स्थिरता को सुनिश्चित करना है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, ये संशोधन इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस एसोसिएशन के अद्यतन किराया चार्ट के आधार पर किए गए हैं और देशभर में एक समान रूप से लागू होंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि उप-नगरीय ट्रेनों और सीजन टिकटों में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है।

इसके अलावा, 500 किलोमीटर तक की दूरी तय करने वाले साधारण दर्जे के यात्रियों को भी राहत दी गई है, क्योंकि उनके किराये में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, सामान्य गैर-एसी श्रेणियों में कुछ मामूली बढ़ोतरी की गई है। दूसरी श्रेणी के किराये में प्रति किलोमीटर 0.5 पैसे की वृद्धि की गई है। यदि यात्रा की दूरी 501 से 1500 किलोमीटर है तो 5 का अतिरिक्त भुगतान करना होगा, वहीं 1501 से 2500 किमी तक 10 और 2501 से 3000 किमी तक 15 की बढ़ोत्तरी होगी।

स्लीपर क्लास और फर्स्ट क्लास में भी प्रति किमी 0.5 पैसे की वृद्धि की गई है। वहीं, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की गैर-एसी श्रेणियों में प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से किराया बढ़ाया गया है। एसी श्रेणियों की बात करें तो ऐसी चेयर कार, ऐसी 3-टियर, ऐसी 2-टियर और एग्जीक्यूटिव/फर्स्ट/अनुभूति कोच में प्रति किमी 2 पैसे की वृद्धि की गई है। यह संशोधित किराया राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, ऐसी विस्ताडोम और अनुभवती कोचेस जैसी प्रीमियम व विशेष ट्रेनों पर भी लागू होगा।

रेल मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया है कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य सहायक शुल्कों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

जीएसटी भी पहले की तरह लागू रहेगा। नया किराया केवल उन टिकटों पर लागू होगा जो 1 जुलाई 2025 या उसके बाद बुक किए जाएंगे। इससे पहले बुक किए गए टिकटों पर यात्रियों से कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली जाएगी।

स्टेशनों पर बोर्ड और टिकटिंग सिस्टम होंगे अपडेट

रेल मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, सभी जोनल रेलवे को निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे अपने-अपने स्टेशनों पर किराया बोर्ड को अपडेट करें और टिकटिंग सिस्टम जैसे पीआरएस, यूटीएस एवं मैनुअल टिकट बुकिंग प्रणाली में समय पर संशोधन करें ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस संशोधन को रेलवे द्वारा संतुलित दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है, जिससे सेवा गुणवत्ता में सुधार होगा और रेलवे की संचालन लागत का संतुलन भी बना रहेगा।

हिमाचल में मुसीबत बनी बारिश!

शिमला, मंडी, कांगड़ा समेत 18 जगहों पर लैंडस्लाइड का खतरा, 259 सड़कें बंद

शिमला.

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के बाद मौसम विभाग ने भूस्खलन की चेतावनी जारी की है. राज्य में भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील 22 में से 18 स्थानों के लिए आईएमडी ने चेतावनी जारी की है. इन स्थानों पर वर्तमान में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है. लगातार बारिश के कारण लगभग हिमाचल प्रदेश के 130 इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और पूरे राज्य में जलापूर्ति प्रभावित हुई है. फ्लैश फ्लड, लैंडस्लाइड की वजह से मलबा गिरने और तेज बारिश के कारण होने वाले भू-कटाव की घटनाओं के कारण राज्य में 259 सड़कों को बंद करना पड़ा है. बारिश की वजह से बिजली बाधित हुई तो इसका जलापूर्ति पर भी देखना को मिला. पूरे प्रदेश में जलापूर्ति प्रभावित हुई है.

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मौसम विभाग के द्वारा बारिश का रेड अलर्ट जारी करने के बाद मंडी, कांगड़ा, सोलान और सिरमौर जिलों के प्रशासन को 30 जून को स्कूल को बंद रखने का निर्देश दिया. मंत्री जगत सिंह नेगी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मानसून को लेकर पहले ही बैठक की गई थी, आज (सोमवार) को उसी के संदर्भ में समीक्षा बैठक की. इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और तैयारियों की समीक्षा की गई. जहां और तैयारियों की ज़रूरत है, उसे लेकर निर्देश दिए गए हैं. भारी बारिश की वजह से केवल सड़क मार्ग ही नहीं प्रभावित हुई है. रेलमार्ग भी इससे प्रभावित हुए हैं. शिमला-कालका रेल लाइन पर पेड़ गिरने और मलबा गिरने की वजह से रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं. राज्य में बीते 24 घंटे में तीन लोगों की मौत हुई है. इस मानसून सीज़न अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है. बिलासपुर और ऊना में दो लोगों की डूबने की वजह से मौत हो गई वहीं तीसरी मौत शिमला में ऊंचाई की गिरने की वजह से हो गई है. शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ज (एसएच-5) पर कोटी के पास भूस्खलन हुआ. मलबा सड़क पर आने की वजह से कई घंटों तक लंबा जाम लग गया. शिमला के भट्टा कोफर इलाके में कथित तौर पर फोर लेन सड़क निर्माण के कारण एक पांच मंजिला इमारत ढह गई. एसडीएम ने घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया. एसडीएम ने कहा, जो पांच मंजिला इमारत गिरी उसमें कोई हताहत नहीं हुआ. इमारत को कल रात को ही खाली कर दिया गया था. पांच इमारत को लेकर डर है, इसलिए उन्हें खाली करा दिया गया है. लोगों को किसी और सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट होने को कहा गया है. इमारत गिरने की वजह का पता लगाया जाएगा.

इजराइल ने गाज़ा के मशहूर कैफ़े पर किया हमला

तेहरान.

इसराइल ने गाज़ा के एक कैफ़े पर हवाई हमला किया है, जिसमें कम से कम 20 फ़लस्तीनियों के मारे जाने की ख़बर है. स्वास्थ्य कर्मियों और चश्मदीदों के मुताबिक़, इसराइल ने उस कैफ़े पर हमला किया जो पश्चिमी गाज़ा के समुद्र किनारे था. चश्मदीदों ने बताया कि इस कैफ़े में अक्सर कार्यकर्ता, पत्रकार और स्थानीय लोग आते थे. हमास की ओर से संचालित नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता ने बीबीसी को बताया कि बचाव दलों ने अल-बक़ा कैफ़े से 20 शवों और दर्जनों घायलों को बाहर निकाला है. उन्होंने कहा कि आपातकालीन टीमें अब भी विस्फोट से बने गहरे गड्ढे में लोगों को तलाश रही हैं.

एक स्थानीय प्रोडक्शन कंपनी के कैमरामैन अज़ीज़ अल-अफ़ीफ़ी ने बीबीसी को बताया, "मैं इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए कैफ़े की ओर जा रहा था, तभी वहां से कुछ ही मीटर की दूरी पर एक बड़ा विस्फोट हुआ." इसराइली सेना ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है. हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़, गाज़ा में 7 अक्तूबर 2023 के बाद से अब तक 56 हज़ार से ज़्यादा लोग मारे गए हैं।

9 साल बाद बंद हुआ लापता नजीब अहमद का केस

नई दिल्ली. दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के छात्र नजीब अहमद को लापता हुए 9 साल हो गए हैं. इस मामले में सीबीआई जांच कर रही थी. साल 2016 में लापता हुए छात्र का पता अब तक नहीं चल सका है. ऐसे में दिल्ली की कोर्ट ने सीबीआई को यह केस बंद करने की अनुमति दे दी है. अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है. अगर आगे इस केस में कोई सबूत मिलता है तो केस को दोबारा खोला जा सकता है. दरअसल, जेएनयू में फर्स्ट ईयर में पढ़ने वाले लापता नजीब अहमद मामले में हर तरह से जांच करने के बाद भी सीबीआई के हाथ खाली रहे. ऐसे में एजेंसी ने अक्टूबर 2018 में जांच बंद कर दी. दिल्ली हाई कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद एजेंसी ने मामले में अदालत के सामने अपनी क्लोजर रिपोर्ट पेश की. नजीब अहमद 15 अक्टूबर 2016 को जेएनयू के माही-मांडवी हॉस्टल से लापता हो गया था. इससे एक रात पहले कथित तौर पर उसकी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े कुछ छात्रों के साथ हाथापाई हुई थी. नजीब अहमद की मां फातिमा नफीस के वकील ने पहले कहा था कि यह एक राजनीतिक मामला है.

राजनाथ सिंह के दौरे के बाद बोला चीन

'भारत संग सीमा विवाद जटिल, सुलझाने में लगेगा समय'

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 जून को चिंगदाओ में अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ बैठक में प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को सीमाओं पर तनाव कम करने और सरहदों के निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने से संबंधित कदम उठाकर एक सुव्यवस्थित रूपरेखा के तहत 'जटिल मुद्दों' को सुलझाना चाहिए. इसे लेकर चीन ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा, लेकिन इसके साथ ही उसने सरहदों के निर्धारण पर चर्चा करने और हालात शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की. सिंह और दोंग ने चिंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति व स्थिरता बनाए रखने पर बात की गई. रक्षामंत्री की टिप्पणी को लेकर चीन की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, 'मैं आपको बता सकती हूं कि चीन और भारत ने सीमा से जुड़े विषय पर विशेष टीम की स्थापना की गई है और चीन-भारत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों और मार्गदर्शक सिद्धांतों पर सहमति बनाई गई है.' उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच विभिन्न स्तरों पर कूटनीतिक और सैन्य संचार तंत्र है. निंग ने कहा, 'चीन भारत के साथ सरहदों के निर्धारण और सीमा प्रबंधन सहित अन्य मुद्दों पर संवाद बनाए रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने और सीमा पार आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है.' विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23 दौर की वार्ता के बावजूद सीमा मुद्दे को सुलझाने में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर निंग ने कहा, 'सीमा का सवाल जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगता है. सकारात्मक पक्ष यह है कि दोनों देशों ने पहले ही गहन संवाद के लिए विभिन्न स्तर पर तंत्र स्थापित कर लिए हैं. हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ इसी दिशा में काम करेगा.

भारत के हमले में तबाह हुए पाक के टेरर कैंप्स

नई दिल्ली. भारत ने सात मई को पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था. इस कार्रवाई में भारत की सेना ने आतंकी अड्डों को खत्म किया था. एनडीटीवी के पास हाई-रेजॉल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरें आई हैं जिसमें पहली बार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में दो बड़े आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों पर भारत के हमलों का असर नजर आ रहा है. सेनाओं की तरफ से हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों की पहचान नहीं की गई है लेकिन माना जा रहा है कि दोनों टेरर कैंप्स को ड्रोन से निशाना बनाया गया था. जो तस्वीरें आई हैं वो दो शिविरों की हैं, एक कश्मीर में तंगधार से 36 किलोमीटर पश्चिम में मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप और दूसरा जम्मू में राजौरी से 40 किलोमीटर पश्चिम में कोटली गुलपुर कैंप. दोनों पर 7 मई की सुबह हमला किया गया. यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की प्रतिक्रिया थी. हमले में पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी बुनियादी ढांचे वाले स्थलों को निशाना बनाया गया था जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई थी. पहलगाम आतंकी हमला मार्च 2000 में छत्तीसिंहपुरा नरसंहार के बाद जम्मू-कश्मीर में हुआ सबसे खतरनाक आतंकवादी हमला था. उस हमले में 36 सिखों की मौत हो गई थी. पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादियों के लिए एक प्रमुख ठिकाना था. इस कैंप में आतंकवादियों को हथियार चलाने, जंगल में बचने और विस्फोटक तथा आयुध बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता था.

पीएम मोदी का 2 दिवसीय घाना दौरा

> 30 साल बाद किसी भारतीय पीएम का दौरा

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2-3 जुलाई को घाना दौरे पर जा रहे हैं। पिछले 30 साल में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। पीएम मोदी घाना के अलावा त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की भी यात्रा करेंगे। यह जानकारी सोमवार को सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने दी। दम्मू रवि ने कहा कि प्रधानमंत्री 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 वर्षों के बाद हो रही है। घाना में राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने शानदार जीत के बाद अभी-अभी कार्यभार संभाला है। घाना के साथ भारत के संबंध ऐतिहासिक हैं। हमारे कई दशकों के संबंधों में बहुआयामीता रही है। दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। साथ ही पीएम मोदी अपनी बातचीत में आर्थिक एजेंडा को लेकर प्रमुखता से बातचीत करेंगे। तीन दशकों में पहली प्रधानमंत्री-स्तरीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों में अधिक मजबूती आने की उम्मीद है। भारत और घाना के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 3 बिलियन डॉलर है, जो मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर सोने के आयात के कारण है। इसके अलावा यात्रा के दौरान, कृषि, पश्चिम अफ्रीका में वैक्सीन विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही कुछ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच आर्थिक और सामरिक सहयोग को और गहरा करेगी। भारत और घाना के बीच संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधार पर मजबूत हैं। दोनों देशों ने 1957 में घाना की स्वतंत्रता के बाद से राजनयिक संबंध स्थापित किए। ये संबंध गुटनिरपेक्ष आंदोलन और राष्ट्रमंडल जैसे मंचों पर सहयोग से और प्रगाढ़ हुए। भारत ने घाना की आजादी के संघर्ष का समर्थन किया। साथ ही जवाहरलाल नेहरू की पंचशील नीति ने दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा दिया।

संगारेड्डी केमिकल ब्लास्ट में 8 की मौत

हैदराबाद.

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक कैमिकल फैक्टरी में रिएक्टर विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 26 घायल हो गए। विस्फोट के समय इमारत में कुल 61 लोग थे और कई लोग अभी भी अंदर फंसे हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'बचाए गए लोगों में से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। हमें अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि अंदर कितने लोग फंसे हुए हैं ज्ञात नहीं. फायर डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने बताया कि बचाव और राहत अभियान के लिए 11 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, 'आग बुझाने का अभियान जारी है और इमारत में अभी भी लोग फंसे हुए हैं।' तेलंगाना के पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कहा, 'अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 26 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। करीब 50-60 लोग अभी भी फैक्ट्री के अंदर हैं, हम अभी भी उन्हें ढूंढ नहीं पाए हैं। बचाव अभियान जारी है। हमने मांग की है कि सरकार मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये और घायलों को 50 लाख रुपये दे।

घायलों को तुरंत कॉरपोरेट अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए। तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कुशल श्रमिक यहां काम नहीं कर रहे हैं और इसीलिए ऐसी घटनाएं हो रही हैं।'

कांग्रेस ने हादसे पर दुख जताया, सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने एक बयान जारी कर इस भीषण आग दुर्घटना पर गहरा दुख जाहिर किया है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा, 'अपनी जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना। घायल श्रमिकों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसे देखकर मुझे गहरा दुख हुआ।'

पीएम मोदी ने दुख जताया

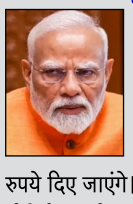

पीएम नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की घटना पर दुख जताया है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'तेलंगाना के संगारेड्डी में एक फैक्ट्री में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।' बीजपी प्रवक्ता एनवी सुभाष ने कहा, 'इस दुर्घटना में करीब आठ लोगों की जान चली गई है। बीजेपी अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करती है। हमने तुरंत अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा कि वे जाकर हर संभव मदद करें ताकि नुकसान को नियंत्रित किया जा सके। हम इस बात की भी गहन जांच की मांग करते हैं कि क्या इस कंपनी के पास सभी अनिवार्य लाइसेंस थे। अगर कोई चूक पाई जाती है, तो हम अधिकारियों से कंपनी के प्रबंधन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।'

सरकार से गहन जांच की मांग करता हूं: केटी रामा राव

तेलंगाना के विपक्षी नेता और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा, 'पटंचेरू के पासमैलाराम औद्योगिक क्षेत्र में रिएक्टर विस्फोट बेहद दुखद है। मैं अधिकारियों से दुर्घटना स्थल पर फंसे श्रमिकों को तुरंत बचाने का आग्रह करता हूं। कृपया सुनिश्चित करें कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल मिले। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है और मैं सरकार से इस घटना की गहन जांच करने की मांग करता हूं।'

करोड़ों युवाओं को मिला तोहफा

> लॉन्च हुआ माय भारत 2.0 पोर्टल

नई दिल्ली.

भारत सरकार ने देश के युवाओं के लिए एक और बड़ा कदम उठाते हुए माय भारत 2.0 पोर्टल को लॉन्च किया है। यह पोर्टल युवाओं को उनके करियर और कौशल विकास के लिए एक स्मार्ट, उत्तरदायी और तकनीक आधारित मंच प्रदान करता है। माय भारत 1.0 की सफलता के बाद, इस नए संस्करण में उन्नत टूल्स, समावेशी पहुंच और एआई -संचालित इंटेलिजेंस जैसी विशेषताएं शामिल की गई हैं, जो युवाओं की डिजिटल आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने में मदद करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किया गया यह पोर्टल 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं को राष्ट्र निर्माण, कौशल विकास, स्वयंसेवी कार्य और करियर के अवसरों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। माय भारत 2.0 का उद्देश्य युवाओं को उनकी क्षमताओं को निखारने, रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सामुदायिक नेतृत्व और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।

इस पोर्टल की खासियत यह है कि इसे व्हाट्सएप के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे युवा आसानी से डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, यह पोर्टल 'फिजिटल' (फिजिकल और डिजिटल) दृष्टिकोण को अपनाता है, जो युवाओं को डिजिटल और भौतिक गतिविधियों से जोड़ता है।

युवा शक्ति के लिए ऐतिहासिक मंच

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहल को "युवा शक्ति के लिए एक ऐतिहासिक मंच" करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल भारत के युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

सोने की कीमतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली.

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के घरेलू वायदा भाव शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर ट्रेड करते दिखाई दिए। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव सोमवार सुबह 0.02 फीसदी या 20 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 95,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर अनिश्चितता और कमजोर घरेलू डिमांड के चलते सोने की कीमतें मंदी हैं। शादियों का सीजन खत्म होने को है, इसलिए सोने की घरेलू डिमांड कम हुई है। वहीं, वैश्विक स्तर पर शुरुआती कारोबार में सोना बढ़त के साथ ट्रेड करता दिखाई दिया।

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में बढ़त देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में कॉमेक्स पर सोना 0.10 फीसदी या 3.30 डॉलर की बढ़त के साथ 3,290.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया। वहीं, सोने का घरेलू हाजिर भाव इस समय 0.22 फीसदी या 7.19 डॉलर की बढ़त के साथ 3,281.52 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी की कीमतों में सोमवार सुबह मिला-जुला ट्रेंड देखने को मिला। कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक भाव शुरुआती कारोबार में 0.05 फीसदी या 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 36.35

डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 0.51 फीसदी या 0.18 डॉलर की बढ़त के साथ 36.17 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया नया यूएलआईपी

>'आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस'

मुंबई.

देश के अग्रणी जीवन बीमा प्रदाताओं में से एक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को एक नया यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया. आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस। यह प्रोडक्ट खासतौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जिससे वे सिर्फ ₹1000 मासिक निवेश से अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति कर सकें।

इस योजना में निवेश के साथ-साथ जीवन बीमा कवरेज भी शामिल है, जिससे निवेशक के परिवार को वित्तीय सुरक्षा मिलती है। यह प्रोडक्ट निवेशकों को 25 विभिन्न फंड्स और 4 पोर्टफोलियो रणनीतियों के विकल्प देता है। ग्राहक अपने निवेश को एक फंड से दूसरे फंड में बिना किसी शुल्क या टैक्स के स्विच कर सकते हैं, जिससे वे बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपना एसेट अलोकेशन बदल सकते हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर श्री अमित पालटा ने कहा:"भारत एक तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, और युवा वर्ग इस विकास का आधार है। युवाओं को निवेश की आदत डालने और उन्हें जल्द से जल्द निवेश की शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु हमने यह योजना बनाई है।

यह एक किफायती, कर-सुविधाजनक और पूरी तरह डिजिटल प्रोडक्ट है, जो लचीलापन, पारदर्शिता और मानसिक शांति प्रदान करता है।"उन्होंने आगे बताया कि ग्राहकों की डिजिटल प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इस योजना की पूरी खरीद प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है, जिससे युवा और टेक-सेवी निवेशक सरलता से इससे जुड़ सकें।

इस योजना में 'वेवर ऑफ प्रीमियम' ऐड-ऑन लाभ का विकल्प भी उपलब्ध है, जिससे यदि पॉलिसीधारक किसी कारणवश प्रीमियम भरने में असमर्थ हो, तो भी उनकी निवेश योजना जारी रहे और भविष्य की बचत पर असर न पड़े।

जीएसटी कलेक्शन से टूटा 5 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली.

जब से जीएसटी लागू किया गया है. उसके बाद से सरकार के खजाने में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. अब जीएसटी कलेक्शन से सरकार ने रिकॉर्ड तक बना डाला है. वास्तव में बीते वित्त वर्ष 2025 में सरकार ने रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन किया है. खास बात तो ये है कि सरकार का ये कलेक्शन बीते 5 बरस में दोगुना हो गया है. जानकारों की मानें तो जीएसटी कलेक्शन में आने वाले सालों में और इजाफा देखने को मिल सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह के आंकड़े जारी किए गए हैं.

ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपए था. ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के अपने पीक को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 फीसदी अधिक है. खास बात तो ये है कि पांच साल में सालाना आधार पर ये कलेक्शन करीब दोगुना हो चुका है. वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपए और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपए था. जानकारों की मानें तो आने वाले सालों में ये मासिक औसत कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच सकता है.

जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड करदाताओं की संख्या 2017 के 65 लाख से बढ़कर आठ साल में 1.51 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है. जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया कि इसके लागू होने के बाद से, जीएसटी ने रेवेन्यू कलेक्शन और टैक्स बेस बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है.

9 महीने के लोअर लेवल पर इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन

नई दिल्ली.

भले ही भारत को डायरेक्ट टैक्स रेवेन्यू और जीएसटी रेवेन्यू के मोर्चे पर कामयाबी मिल रही हो, लेकिन इंडस्ट्रीयल मोर्चे पर देश को बड़ा झटका लगा है. सरकार की ओर से इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन को लेकर जिस तरह के आंकड़े सामने आए हैं, वो काफी हैरान और परेशान करने वाले हैं. सरकारी आंकड़ों के अनुसार मई के महीने में देश का इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन 9 महीने के लोअर लेवल पर पहुंच गया है. खास बात तो ये है कि इस हर महीने गिरावट देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से आईआईपी को लेकर किस तरह के आंकड़े जारी किए हैं.

देश के इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन में वृद्धि मई में 9 महीने के निचले स्तर 1.2 प्रतिशत पर रही है. विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन प्रभावित हुआ है. इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन इंडेक्स (आईआईपी) के जरिये मापे जाने वाले इंडस्ट्रीयल प्रोडक्शन की ग्रोथ रेट बीते वर्ष के मई माह में 6.3 प्रतिशत रही थी. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अप्रैल के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को भी संशोधित कर 2.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि पिछले महीने इसके 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था.

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उत्पादन वृद्धि इस साल मई में घटकर 2.6 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 प्रतिशत थी. वहीं माइनिंग प्रोडक्शन में 0.1 फीसदी की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.6 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली थी. बिजली उत्पादन में 5.8 फीसदी की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 13.7 फीसदी की वृद्धि हुई थी. वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.इक्रा की चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि मानसून के जल्दी आने से माइनिंग सेक्टर की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं और बिजली की मांग में कमी आई है. इस वजह से आईआईपी के इन दोनों उप-क्षेत्रों में मई में गिरावट आई है, जबकि विनिर्माण में वृद्धि धीमी रही है. उन्होंने कहा कि जून तिमाही के पहले दो महीनों में औद्योगिक उत्पादन में धीमी वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में औद्योगिक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि के लिए अच्छा संकेत नहीं है.

'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो 2025' ने युवाओं को दी उड़ान

जयपुर.

जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल से लेकर नागपुर के विश्वविद्यालयों तक, एक सवाल भारत के कैंपसों में जोरों से गूंज रहा है. "आप भारत के लिए कौन सी समस्या हल करेंगे?" यही सवाल युवाओं को नवाचार की राह पर ले जा रहा है, और इस अभियान का केंद्र है. सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो 2025

29 अप्रैल को भव्य लॉन्च के साथ शुरू हुए इस नेशनल इनोवेशन चैलेंज ने देशभर के स्टूडेंट्स को एक मंच प्रदान किया है, जहाँ वे अपनी सोच और समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

केवल महानगरों तक सीमित न रहकर, इस अभियान ने पूर्वोत्तर भारत के युवाओं तक भी अपनी पहुँच बनाई है, और उन्हें भी समान अवसर दिए हैं।डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप्स और ओपन हाउस इवेंट्स ने युवाओं को न केवल सिखाया कि कैसे समस्याओं को पहचाना जाए, बल्कि यह भी बताया कि कैसे उनके समाधान को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया जाए।

जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल में 1,000 से अधिक स्टूडेंट्स ने जब ऑडिटोरियम में अपने विचार साझा किए, तो वहां का माहौल जोश और जुनून से भर गया। छात्र नमन लखानी ने कहा –

"मैं हमेशा कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो वास्तविक समस्याओं को हल कर सके। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो ने मुझे दिखाया कि कोई है जो हमारी बात सुनना चाहता है और उन विचारों को सच करने में मदद करना चाहता है। इस चैलेंज में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को न केवल 1 करोड़ रुपये तक की सहायता राशि मिल सकती है, बल्कि उन्हें प्रोटोटाइप बनाने, निवेशकों से जुड़ने और सैमसंग लीडर्स व आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाने का भी मौका मिलेगा।

सैमसंग का यह प्रयास न केवल तकनीकी नवाचार को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि भारत के युवाओं को एक ऐसा मंच दे रहा है, जहाँ वे वास्तविक बदलाव के सूत्रधार बन सकते हैं।

4 तरह की एफडी ऑफर करता है पोस्ट ऑफिस

नई दिल्ली.

भारतीय डाक विभाग अपने ग्राहकों को कई सारी स्मॉल सेविंग स्कीम्स ऑफर करता है। इसमें नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट भी शामिल है। इसे आम भाषा में एफडी के नाम से भी जाना जाता है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में ब्याज का भुगतान सालाना होता है, लेकिन कैलकुलेशन तिमाही आधार पर होती है। इस स्कीम में न्यूनतम 1000 रुपये से निवेश किया जा सकता है। वहीं, अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। पोस्ट ऑफिस चार तरह की टीडी या एफडी ऑफर कर रहा है। ये 1 साल, 2 साल, 3 साल और 5 साल की एफडी स्कीम हैं। सबसे अधिक ब्याज दर 5 साल की एफडी में मिल रही है। भारतीय डाक 1 साल की एफडी पर 6.9 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है। 2 साल की एफडी पर 7 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है। 3 साल की एफडी पर 7.1 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है। वहीं, 5 साल की एफडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है। इस एफडी स्कीम में 6.9 फीसदी ब्याज दर मिल रही है। अगर आप इसमें 1 लाख रुपये डालते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको 1,07,081 रुपये मिलेंगे। इस एफडी स्कीम में 7 फीसदी ब्याज दर मिल रही है। अगर आप इस एफडी स्कीम में 1 लाख रुपये डालते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको 1,14,888 रुपये मिलेंगे।

करोड़ों किसानों को 20वीं किस्त का इंतजार

नई दिल्ली.

भारत के किसानों की आर्थिक मदद करने के लिए केंद्र सरकार कई तरह के प्रयास करती है और योजनाएं भी चलाती है। किसानों की मदद के लिए ही केंद्र सरकार की एक योजना है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना भारत सरकार की इस योजना के ज़रिए देश के छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता मुहैया कराई जाती है।

यह योजना 1 दिसंबर 2018 को लागू हुई थी और तब से अब तक इसके तहत 19 किस्त जारी की जा चुकी हैं। अब किसानों को इस योजना की 20वीं किस्त का इंतज़ार है और उनके मन में एक ही सवाल है. "आखिर कब उनके बैंक अकाउंट में आएगी इस योजना की 20वीं किस्त?"पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जून के महीने में ही योजना के पात्र किसानों के अकाउंट में आनी थी। हालांकि आज 30 जून है और महीने का आखिरी दिन। अभी तक किसानों के अकाउंट में 20वीं किस्त नहीं आई है और लगता नहीं है कि इस महीने किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त मिलेगी।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त अब तक किसानों के अकाउंट में जमा नहीं हुई है और जून का आज आखिरी दिन है। ऐसे में देश के करोड़ों किसानों को उम्मीद है कि जुलाई में उन्हें सरकार से सहायता राशि मिल जाएगी।

अडानी ग्रुप को मिली है जिम्मेदारी

> धारावी बनेगा सबसे बड़ा बिजनेस हब

मुंबई.

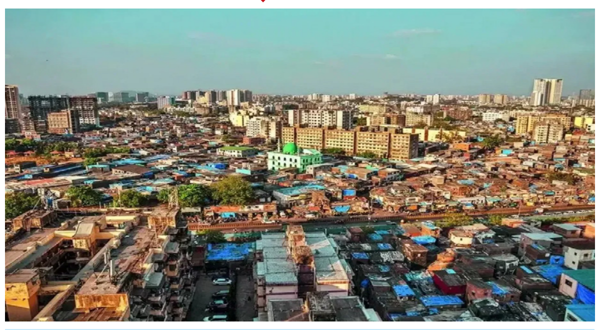

धारावी, जिसे एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती कहा जाता है, अब पूरी तरह से बदलने वाला है. अब यहां एक दम नया और चमकदार इलाका बनने जा रहा है. "धारावी पुनर्विकास परियोजना" के तहत यहां एक खास बिजनेस एरिया बनाया जाएगा, जिससे ये जगह देश का अगला बड़ा व्यापारिक केंद्र बन सकती है.

इस योजना का मकसद सिर्फ लोगों को अच्छे घर देना नहीं है, बल्कि यहां के छोटे-बड़े कारोबार को भी आगे बढ़ाना है. इस बड़े प्रोजेक्ट को अडानी ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार की साझेदारी वाली कंपनी को दिया गया है. इसकी कुल लागत करीब 96,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है. यानि आने वाले समय में धारावी सिर्फ एक बस्ती नहीं, बल्कि एक नया बिजनेस हब बनकर उभरेगा.

इस बिजनेस ज़ोन का सबसे बड़ा मकसद है कि धारावी को आत्मनिर्भर और मजबूत आर्थिक केंद्र बनाया जाए. इससे ना सिर्फ यहां पहले से चल रहे छोटे कारोबारों को मजबूती मिलेगी, बल्कि प्रोजेक्ट के लिए लंबे समय तक पैसे का इंतजाम भी होता रहेगा. अभी धारावी में करीब 12,000 छोटे-बड़े कारोबारी यूनिट्स हैं जो बिना किसी रजिस्ट्रेशन या कागज़ी प्रक्रिया के चल रहे हैं. इस प्रोजेक्ट के जरिए इन सभी कारोबारों को एक सही सिस्टम के तहत लाया जाएगा. साथ ही, नए बिजनेस वालों को भी जगह दी जाएगी.

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे सिस्टम को "हाइब्रिड मॉडल" पर चलाया जाएगा मतलब कुछ ऑफिस स्पेस बड़ी कंपनियों को किराए पर दिया जाएगा, जबकि कुछ हिस्सा धारावी के स्थानीय छोटे कारोबारियों और दुकानदारों के लिए ही रखा जाएगा. इससे यहां के लोगों को फायदा होगा और धारावी धीरे-धीरे एक मॉडर्न बिजनेस हब बनकर उभरेगा.

धारावी में बनेगा मॉडर्न बिजनेस एरिया

धारावी की करीब 600 एकड़ जमीन में से एक बड़ा हिस्सा अब कमर्शियल यानी व्यापारिक कामों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. यहां एक नया "सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट" (सीबीडी) बनेगा, जहां अलग-अलग तरह की कंपनियां आकर अपना काम शुरू कर सकेंगी. इस नए बिजनेस एरिया में बड़ी-बड़ी ऑफिस बिल्डिंग्स, शॉपिंग एरिया (हाई-स्ट्रीट रिटेल), को-वर्किंग स्पेस, होटल और दूसरी जरूरी सुविधाएं होंगी. प्रोजेक्ट से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि ये कमर्शियल जोन उस जमीन पर बनेगा, जिसे लोगों के रहने के लिए नहीं रखा गया है.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत दर सोमवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 26 | सोडत दिनांक 30/06/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — SL-01 : 6580 — मातोश्री एन्टरप्रायझेस - खामगाव, प्रिन्स एजन्सी - मुंबई यांचा मार्फत

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी — 6580 — महाराजा असोसिएट्स - इचलकरंजी, नाझ लॉटरी - रोहा, प्रिन्स लॉटरी सेंटर अँड जनरल स्टोअर्स - कल्याण, श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1676	2043	3204	3800	4197	6307
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1747	2826	3163	3924	4147	4886
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1049	1695	2076	2917	5149	6149
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1198	1478	2363	3347	5278	6016

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1899	2282	2827	3332	3697	4210	4666	5126	5556	5867	6237	6666
		1913	2284	2851	3333	3722	4222	4670	5132	5557	5878	6269	6668
1005	1393	1917	2287	2859	3337	3732	4227	4707	5153	5558	5899	6278	6676
1017	1419	1918	2309	2864	3338	3737	4240	4728	5158	5560	5905	6283	6678
1038	1422	1941	2310	2890	3343	3738	4244	4737	5163	5575	5913	6313	6680
1039	1454	1978	2317	2906	3344	3808	4246	4746	5175	5576	5923	6349	6690
1089	1470	1999	2324	2929	3346	3813	4261	4747	5183	5577	5931	6360	6696
1100	1485	2000	2327	2955	3349	3816	4290	4748	5191	5578	5932	6362	6699
1101	1509	2002	2328	2969	3357	3836	4304	4765	5192	5583	5952	6366	6722
1102	1524	2003	2342	2989	3362	3839	4319	4774	5193	5585	5954	6367	6750
1116	1545	2032	2400	3027	3367	3841	4348	4780	5217	5588	5956	6383	6754
1120	1559	2039	2406	3033	3373	3850	4359	4794	5255	5590	5957	6385	6760
1136	1569	2042	2412	3036	3377	3853	4363	4797	5265	5591	5966	6449	6778
1139	1587	2062	2420	3070	3387	3862	4364	4808	5268	5595	5975	6454	6779
1147	1593	2090	2450	3072	3403	3873	4374	4824	5281	5599	5977	6491	6786
1155	1641	2092	2460	3073	3409	3883	4403	4830	5287	5605	5978	6506	6796
1156	1643	2101	2488	3077	3436	3891	4416	4840	5301	5615	6006	6549	6799
1158	1661	2112	2556	3082	3439	3939	4418	4853	5307	5651	6013	6559	6817
1159	1694	2128	2582	3101	3473	3978	4419	4888	5345	5652	6015	6567	6819
1163	1708	2160	2585	3103	3478	3993	4427	4909	5416	5655	6025	6571	6839
1164	1718	2165	2612	3109	3484	4000	4434	4942	5419	5667	6029	6603	6845
1175	1729	2190	2613	3113	3487	4004	4457	4943	5446	5681	6038	6606	6856
1177	1749	2196	2624	3130	3522	4016	4459	4964	5447	5683	6066	6607	6863
1180	1760	2215	2627	3137	3530	4034	4461	4975	5457	5716	6086	6611	6876
1196	1781	2216	2632	3143	3531	4042	4463	4983	5475	5724	6089	6613	6881
1201	1790	2220	2639	3152	3537	4043	4476	4984	5488	5729	6124	6615	6896
1208	1792	2221	2655	3203	3548	4048	4481	4995	5507	5735	6140	6622	6920
1210	1801	2227	2664	3206	3590	4058	4487	5009	5508	5739	6144	6625	6929
1212	1812	2229	2682	3240	3603	4078	4490	5012	5514	5752	6147	6627	6960
1227	1827	2230	2692	3255	3618	4084	4494	5051	5517	5763	6148	6634	6962
1228	1838	2238	2724	3287	3621	4095	4495	5058	5521	5779	6167	6642	6963
1257	1851	2244	2727	3289	3622	4122	4497	5065	5523	5789	6184	6650	6964
1271	1869	2252	2770	3304	3633	4126	4519	5071	5530	5795	6185	6652	6965
1277	1871	2269	2821	3306	3639	4134	4543	5085	5535	5799	6187	6661	6976
1299	1881	2272	2822	3322	3669	4150	4544	5093	5549	5808	6224	6663	6990
1348	1889	2280	2823	3324	3695	4173	4657	5118	5550	5855	6225	6665	6999

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकिट किंमत रु.50/- | सोडत दिनांक 15-07-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. 21 लाख | दुसरे बक्षिस रु. 5 लाख | तिसरे बक्षिस रु. 2,50,000/- (रु. 5 हजाराची 50 बक्षिसे)
सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 30/06/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. | प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — गणेशलक्ष्मी भाग्यशाली विकली लॉटरी | सोडत संध्या. 5:00
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 26 • तिकीट किं. रु.10/- • सोडत दिनांक 30/06/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — MG-06 : 1455

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — विक्री 3569 — महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर

तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 2086 (श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई) | 4677 (जलाराम लॉटरी, अकोला) | 6299 | 7578 | 8532

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

400/-	2395	3453	4204	4964	5625	6689	7466	8309
1402	2489	3462	4381	5061	5677	6713	7547	8361
1671	2701	3631	4426	5076	5828	6742	7725	8500
1709	2724	3720	4442	5351	5858	6769	7759	8580
1738	2727	3881	4456	5454	5930	6806	7852	8585
1923	2810	3981	4477	5505	6270	6849	8048	8665
1954	2815	3998	4495	5517	6614	6925	8082	8875
2082	3003	4064	4593	5575	6652	6975	8155	8890
2297	3365	4068	4650	5603	6664	7127	8268	8998

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी आषाढी विशेष मासिक सोडत | तिकिट किंमत रु.100/- | सोडत दिनांक 22-07-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 22 लाख | दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) | तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
गणेशलक्ष्मी भाग्यशाली विकली लॉटरी सोडत दिनांक 30/06/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे | प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री • धनलक्ष्मी विकली लॉटरी • | सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 26 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 30/06/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — SL-02 : 4163

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 4287

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1717 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई) | 1946 (लॉटरी भांडार - नागपूर) | 3940

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1115	1755	2696	4237	5520
1291	1813	2892	4384	5547
1326	1988	3067	4387	5576
1341	2049	3238	4439	5638
1439	2094	3564	4740	5798
1441	2323	3605	5095	5939
1503	2529	3706	5239	5972
1716	2692	4084	5500	5976

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकिट किंमत रु.50/- | सोडत दिनांक 15-07-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. 21 लाख | दुसरे बक्षिस रु. 5 लाख | तिसरे बक्षिस रु. 2,50,000/- (रु. 5 हजाराची 50 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत दिनांक 30/06/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 26 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 30/06/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	1634	8502	9767	8006	3725

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 7824 (महावीर लॉटरी सेंटर - कोल्हापूर) | 9757

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1107 | 3351 | 4271 | 5372 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई) | 9697

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	2004	2438	5079	5414	5708	6042	6374	6661	6946	7025
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0635	1246	3608	5928	6255	6491	6672	8539	9750	9776

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	0515	1551	2382	3338	4274	5056	5737	6711	7763	9193
	0523	1578	2476	3353	4353	5063	5852	6739	7827	9243
0047	0592	1644	2484	3375	4373	5072	5898	6764	7867	9259
0052	0707	1686	2492	3384	4394	5086	5951	6777	7869	9262
0061	0730	1712	2524	3393	4417	5138	6067	6862	7898	9327
0074	0964	1798	2537	3398	4439	5205	6081	7023	8298	9472
0090	1021	1802	2669	3401	4443	5243	6236	7112	8312	9493
0095	1051	1814	2722	3573	4461	5300	6264	7153	8318	9576
0144	1063	1822	2923	3692	4464	5318	6334	7168	8425	9622
0155	1113	1901	2930	3836	4544	5332	6483	7198	8559	9634
0180	1114	1953	2958	3942	4547	5365	6499	7277	8563	9661
0182	1172	1955	2970	3943	4642	5415	6514	7303	8596	9672
0220	1181	2062	3032	3993	4720	5426	6568	7317	8838	9809
0273	1251	2070	3047	4001	4728	5527	6600	7477	8902	9825
0296	1259	2148	3066	4074	4755	5528	6604	7648	8984	9928
0300	1319	2206	3097	4078	4764	5547	6608	7667	8987	9967
0310	1410	2295	3198	4140	4940	5635	6623	7681	8993	9971
0420	1411	2328	3227	4224	4954	5657	6634	7731	9007	9979
0465	1416	2365	3310	4237	5039	5671	6668	7757	9089	9993

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी आषाढी विशेष मासिक सोडत | तिकिट किंमत रु.100/- | सोडत दिनांक 22-07-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर — पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 22 लाख | दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) | तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी सोडत दिनांक 30/06/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे | प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

प्रविण कडू : 9822472123

विरोध नहीं, विजय मार्च होगा!

> थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी रद्द होने पर उद्धव का ऐलान

मुंबई.

राज्य सरकार द्वारा कक्षा 1 से हिंदी भाषा को अनिवार्य करने के फैसले को रद्द किए जाने के बाद राज्य की राजनीति में नया मोड़ आ गया है. जहां एक ओर सरकार ने विरोध के दबाव में पीछे हटते हुए दोनों सरकारी निर्णयों (जीआरस) को रद्द कर दिया है, वहीं शिवसेना (ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अब 5 जुलाई को होने वाले विरोध मार्च को विजय मार्च में बदलने की घोषणा की है. उन्होंने इसे जबरदस्ती के खिलाफ लोगों की जीत करार दिया. राज्य सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करते हुए कक्षा 1 से हिंदी भाषा को अनिवार्य विषय बनाने की घोषणा की थी. इस पर शिवसेना (ठाकरे गुट), मनसे, कांग्रेस और कई सामाजिक संगठनों ने तीव्र विरोध जताया था. इसी के तहत 5 जुलाई को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के नेतृत्व में संयुक्त मार्च की योजना बनाई गई थी. सरकार के फैसले को लेकर उद्धव ठाकरे ने तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, भाजपा का असली एजेंडा मराठी समाज को मराठी और अमराठी में बांटकर अमराठी वोटों को आकर्षित करना था, लेकिन मराठी लोगों ने समझदारी दिखाते हुए इस जबरदस्ती का विरोध किया. यह आंदोलन भाषा के खिलाफ नहीं, बल्कि थोपे जाने के खिलाफ था.उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को लगा था कि भाषा के नाम पर मराठी समाज का विभाजन संभव होगा, लेकिन यह रणनीति असफल रही। फडणवीस सरकार द्वारा दोनों जीआर रद्द किए जाने के बाद 5 जुलाई के प्रस्तावित विरोध मार्च को लेकर सवाल खड़े हो गए थे. इस पर ठाकरे ने स्पष्ट किया कि मार्च होगा, लेकिन वह अब विरोध नहीं, विजय मार्च और जनसभा का रूप लेगा.

समिति पर उद्धव ने उठाए सवाल

राज्य सरकार ने त्रिभाषा नीति के आगे के क्रियान्वयन के लिए शिक्षाविद डॉ नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने की घोषणा की है, लेकिन उद्धव ठाकरे ने इस पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा, कोई भी समिति बना ली जाए, लेकिन जबरदस्ती भाषा लागू नहीं की जाएगी। बाध्यता अब समाप्त हो चुकी है.उन्होंने सरकार पर झूठ की फैक्ट्री चलाने का भी आरोप लगाया और कहा कि भाजपा अफवाहें फैलाकर और झूठे दावे कर वोट बटोरने का काम कर रही है.

छगन भुजबल की 'मौत' की खबर फर्जी निकली

> यूट्यूब चैनल पर अफवाह फैलाने का मामला दर्ज

मुंबई.

राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल के निधन की फर्जी खबर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में नासिक साइबर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एनसीपी (अजित पवार) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल के मौत की यह झूठी खबर एक यूट्यूब चैनल द्वारा प्रसारित की गई थी, जिसमें एक प्रमुख टीवी चैनल का बनावटी लोगो भी इस्तेमाल किया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार 28 जून की रात एक अज्ञात व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर यह झूठी खबर फैलाई कि मंत्री भुजबल का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। इस फर्जी खबर को एक टीवी न्यूज चैनल की तरह पेश करने के लिए उसका लोगो गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। हैरानी की बात यह है कि यह वीडियो यूट्यूब पर बेहद तेजी से वायरल हुआ और कुछ ही समय में लगभग सवा लाख लोगों ने इसे देख लिया।

यह खबर उस समय सामने आई जब स्पेशल ब्रांच के अधिकारी सुनील बहारवाल सोशल मीडिया पर नजर रख रहे थे। उन्हें एक संदिग्ध वीडियो लिंक दिखी, जिसमें छगन भुजबल के निधन की बात कही गई थी। लेकिन जब उन्होंने लिंक को खोलकर जांच की, तो पता चला कि असल में वह वीडियो रंजनीताई बोरस्ते के निधन की थी, जिनको लेकर भुजबल ने यूट्यूब पर श्रद्धांजलि दी थी। इसी वीडियो को गलत संदर्भ में पेश कर झूठ फैलाया गया।

इस भ्रामक खबर के कारण लोगों में भ्रम फ़ैल गया और छगन भुजबल के समर्थकों में हड़कंप मच गया। हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए @नाना127tv नामक यूट्यूब चैनल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस चैनल का डिस्प्ले नाम 'हेल्पलाइन किसान' बताया गया है। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन सायबर पुलिस इसकी गहराई से जांच कर रही है।

ढोंगी बाबा ने व्यवसायी का किया यौन शोषण

पुणे.

जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पिंपरी-चिंचवड पुलिस ने सूस गांव इलाके में रहने वाले एक 29 वर्षीय स्वयंभू बाबा को गिरफ्तार किया है। ढोंगी बाबा पर आरोप है कि उसने अलौकिक उपायों के नाम पर कई पुरुषों का यौन शोषण किया और उनसे पैसे ऐंठे। आरोपी की पहचान प्रसाद भीमराव तामदार (29) उर्फ 'प्रसाद दादा' के रूप में हुई है। उसका बावधन क्षेत्र में एक आश्रम है और वह ज्योतिषीय एवं आध्यात्मिक से लोगों की हर प्रकार की समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने 'ब्रह्मांड नायक मठ' नामक एक संस्थान शुरू किया था, जहां वह लोगों को उनके वित्तीय, व्यक्तिगत और स्वास्थ्य से जुड़े समस्याओं का अलौकिक समाधान देने का दावा करता था। यह चौंकाने वाला मामला तब सामने आया जब एक 39 वर्षीय बिल्डर ने बावधन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि वह नवंबर 2023 में अपनी आर्थिक परेशानियों के समाधान के लिए इस बाबा के पास गया था। तब आरोपी बाबा ने उसे एक माला दी और मंत्र जाप करने को कहा। इसी दौरान, उसने पीड़ित से उसका मोबाइल और पासवर्ड मांगा और कहा कि वह एक 'कंपास' नामक एप्लिकेशन डाउनलोड कर रहा है, जिससे उसकी ग्रहों की स्थिति का पता चलेगा। बाद में आरोपी बाबा ने बताया कि पीड़ित के ग्रहों में गंभीर दोष हैं और उनके निवारण के लिए विशेष उपाय करने होंगे।

शिकायत के मुताबिक, कुछ दिनों बाद बाबा ने रियल स्टेट कारोबारी को अपने घर बुलाया और वहां उसका यौन शोषण किया। इसके बाद, उसने उसी ऐप के जरिए पीड़ित को कैमरे के सामने यौन क्रिया करने के लिए मजबूर किया, यह कहते हुए कि इससे ग्रह दोष की पहचान होगी। इतना ही नहीं, आरोपी ने पीड़ित से दान के नाम पर 15,000 रुपये भी लिए।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी बाबा ने गुपचुप तरीके से पीड़ितों के फोन में जासूसी एप इंस्टॉल कर लिया था, जिससे वह उनकी निजी गतिविधियों की निगरानी कर सकता था। पुलिस ने बताया कि अब तक कम से कम छह पीड़ित सामने आए हैं, जिन्होंने बाबा पर यौन शोषण, धोखाधड़ी और मोबाइल से जासूसी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस का मानना है कि कई और लोग भी इसी तरह आरोपी के चंगुल में फंसकर ठगे और शोषित किए गए हैं, लेकिन वह बदनामी की वजह से सामने नहीं आ रहे हैं।

PUBLIC NOTICE

Pro. No. 4572 Dt. 25/06/25

IN THE COURT OF 4th JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 104

M.J.C. Case No. 544/2025

Fixed For 28/07/2025

Applicant : 1) Umesh Naresh Raut
--Versus-- Non-Applicants: Nil

Name of Deceased : 1) Archana Naresh Raut, Died On 03/10/2024, 2) Naresh Vithalrao Raut, Died On 29/09/2017, Both R/o Plot No. 302, Vinkar Vasahat Manewada Road, Nagpur.

Whereas 1) Archana Naresh Raut, Died On 03/10/2024, 2) Naresh Vithalrao Raut, Died On 29/09/2017, Both R/o Plot No. 302, Vinkar Vasahat Manewada Road, Nagpur. and Whereas Umesh Naresh Raut has presented an application to this Court for grant of Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants Umesh Naresh Raut as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of 4th Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur on 28th Day of July, 2025 at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased. Given under my hand and the seal of the court, that 24th day of June, 2025.

Seal

By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.

(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१)
तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.
Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५
क.ली./प्रस्तु-२/तह.नाग (शहर)/कावि ३३८/२०२५
दिनांक २०/०६/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, २) मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, ३) मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, ४) श्रीमती चैताली निकेश चरडे, रा. शंकरपूर, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक ०९/०४/२०२५.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्रीमती चैताली निकेश चरडे,** रा. शंकरपूर, नागपूर यांनी त्यांची आई यांच्या **मृत्युची** नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **श्रीमती बेबीबाई निलकंठ बारई** यांचा मृत्यु दिनांक ०४/०३/२००६ रोजी राहत्या घरी सोमलवाडा येथे झाला. असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्युचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **मृत्यु** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यु** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित **मृत्यु** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का

तहसिलदार तथा
तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

ऑनलाइन अजान को लेकर भड़के मुफ्ती इस्माइल

मालेगाव. एआइएमआइएम मालेगांव विधायक मुफ्ती इस्माइल ने ऑनलाइन अजान को लेकर सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि ऑनलाइन अजान कैसे होगा. लाउड स्पीकर पर अजान दी जाती है तो इलाके के लोगों को पता चलता है वो नमाज पढ़ने मस्जिद आते हैं. ये इसलिए हो रहा है क्योंकि भाजपा के एक नेता हैं किरीट सोमैया वो बेवजह कानून व्यवस्था का मुद्दा बना रहे हैं. उन्होंने कहा कि मस्जिदों में जाकर वो लोगों को परेशान कर रहे हैं. अजित पवार भी इस सरकार में हैं. वो मुस्लिमों के समर्थन की बात करते हैं लेकिन उनकी सरकार के भाजपा के मंत्री क्या कर रहे हैं. ये उन्हें देखना चाहिए.

दरअसल, मुंबई में लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध के बाद कई मस्जिदों ने 'ऑनलाइन अजान' ऐप को अपनाया है, जो नमाजियों को अजान की टाइमिंग और लाइव अजान की सुविधा प्रदान करता है. तमिलनाडु की एक कंपनी ने इस ऐप को बनाया है. यह ऐप लाइव अजान प्रसारित करता है, जिससे खासकर जो लोग मस्जिद से दूर हैं या जिनके ऑफिस मस्जिद के पास नहीं हैं, वो समय पर नमाज की सूचना पा सकते हैं.

टोकरी में में मिली नवजात बच्ची

मुंबई. नवी मुंबई से सड़क किनारे एक टोकरी में नवजात बच्ची के मिलने का मामला सामने आया है. टोकरी में बच्ची के साथ एक नोट भी मिला है, जिसमें अभिभावकों ने 'सॉरी' लिखते हुए अपनी परेशानियों को जिक्र किया है. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस बच्ची को अपने साथ ले गई. साथ ही पुलिस बच्ची के माता-पिता की तलाश में जुट गई है. स्थानीय लोगों की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी. यह नोट अंग्रेजी में लिखा गया था.

पनवेल इलाके में शनिवार को एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में सड़क किनारे मिली. तीन दिन की बच्ची को उसके माता-पिता ने टक्का कॉलोनी में सड़क किनारे नीली टोकरी में छोड़ दिया था. स्थानीय लोगों ने लावारिस बच्ची को देखते ही तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई. इस दौरान पुलिस ने देखा कि टोकरी में बच्ची के साथ एक नोट भी रखा हुआ था. इसमें बच्ची के माता-पिता ने लिखा कि वे बेहद गरीब है. इसलिए वह बच्ची को पालने में सक्षम नहीं हैं. इसी कारण से उन्हें यह कदम उठाना पड़ रहा है. इसी के साथ उन्होंने खत के आखिर में 'सॉरी' लिखकर माफी भी मांगी है. पुलिस बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर तुरंत बच्चों के डॉक्टर के पास ले गई.

जिल्हा जलसंधारण विभाग,
(ल.पा.) जिल्हा परिषद, चंद्रपूर

ई-निवीदा सूचना क्रमांक 16 अ/2024-25 दि. 30-/06/2025
ई- निवीदा संदर्भात आवश्यक दस्ताऐवज संबधात माहिती संकेत स्थळावर उपलब्ध आहे

अ. क्र.	तपशिल	एकूण कामे
1	ई -निवीदा सूचना क्रमांक 16 अ / 2024-25	एकुण 03 काम 1. अ.क्रं 01 ते 03 खुले कंत्राटदाराकरिता
2	ई-निवीदा सूचनेचे उपलब्ध संकेतस्थळ	WWW.MAHATENDERS.GOV.IN
3	ई-निवीदा सादर करण्याची प्रथम दिनांक	दि. 01-/-07/2025
4	ई-निवीदा सादर करण्याची अंतिम दिनांक	दि. 15-07/2025 सांय. 3.00 वा. पर्यंत
5	ई-निवीदा उघडण्याची दिनांक व वेळ	दि. 16-10/2025 सकाळी. 10.00 वा. नंतर

क्रमांक/ल.पा/टे-7/निविदा/ 1287/2025 दिनांक:- 30/06/2025

जिल्हा जलसंधारण अधिकारी
(ल.पा.) जिल्हा परिषद, चंद्रपूर

अति. मुख्य कार्यकारी
अधिकारी जिल्हा परिषद, चंद्रपूर

मालमत्ता फेरफार बाबत जाहिरनामा

याद्वारे नागरिकांना सुचित करण्यात येते आहे कि, नगर परिषद डिगडोह (देवी) परिसरातील खाली नमुद केलेल्य मालमत्तेचे फेरफार करण्याबाबत अर्जदारांनी कार्यालयात अर्ज सादर केलेले आहे

अ. क्र.	सध्या नगरपरिषद रेकॉर्डवर असलेले नाव	वाड क्र.	मालमत्ता क्र. व ठिकाण	अर्जदाराचे नाव	फेरफार करिता सदर केलेले दस्ताऐवज
1	गेदाम के जगह गेडाम	1	राजगृह नगर 1464/1	दीपककुमार ओमप्रकाश बाबूलाल गौतम	रजिस्टर विक्रीपत्र
2	शर्मा विजय रीखबचंद	3	बन्सी नगर 217	श्याम काशिप्रसाद बोरेले	रजिस्टर विक्रीपत्र
3	दीपक अंबादास बगेकर	5	वैशाली नगर 2754	श्याम झीबल चाडगे	रजिस्टर विक्रीपत्र
4	गायकवाड पद्मिनी तर्फे गुप्ता कौशल्या नन्हेलाल	5	वैशाली नगर 2754	तर्फे गुप्ता कौशल्या नन्हेलाल	रजिस्टर विक्रीपत्र
5	किरण करुले व चेतन गोविंद धोंडसे	4	बालाजी नगर 811	चेतन गोविंद धोंडसे	रजिस्टर बक्षीसपत्र
6	आरती अमोल राऊत	2	एम.आय.डी.सी.ए-22	प्रवीण यशवंतराव शेंदरे	रजिस्टर विक्रीपत्र
7	पारखे सौ. रेखा जागेश्वर	1	राय टाऊन बी.बी.विंग-2/309	पराग विनोद राऊत	रजिस्टर विक्रीपत्र
8	भांगे प्रतिभा संजय, विजय सीताराम भांगे	3	रडके ले आउट 499	भांगे प्रतिभा संजय	रजि.आपसी वाटणीपत्र
9	किरणज्ञानेश्वर करुले, मंगला सातफळे, प्रवीणा मांडळे	4	बालाजी नगर 784	किरण ज्ञानेश्वर करुले	रजि. हक्कसोड लेख
10	उपेंद्र इंद्रदेव शर्मा	4	पारधी नगर 979/9	अंजली सुरेश काळबांडे	रजिस्टर विक्रीपत्र
11	सक्सेना अनिल तर्फे आमु.शर्मा अनिल प्रेमचंद सौ संध्या शर्मा	1	राय टाऊन वी.ए.विंग-3/403	संजय शशी झा व जुही संजय झा	रजिस्टर विक्रीपत्र
12	काळबांडे छबुताई सुखदेवराव (काळबांडे बिल्डर्स)	4	पारधी नगर 979	रेखा निकम, मानली निकम, वेदांत निकम	रजिस्टर विक्रीपत्र
13	मनोज सी. चामिकुटी	1	राय टाऊन बी. बीविंग-2/09	रमेश रामचंद्र चौधरी	रजिस्टर विक्रीपत्र
14	विश्वकर्मा रमावती नरोत्तम	1	राजगृह नगर 1621	अनिल विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, महेश (शर्मा) विश्वकर्मा	रजिस्टर वारसानपत्र
15	मन्साराम शंकर कोलते	6	इंदिरा नगर 7217	आशीषकुमार दयाशंकर पांडेय	इमला विक्रीपत्र
16	मंगेश सुखलाल कोहळे	6	एकात्मता नगर 6271/1	ममता मन्साराम तितीरमारे	इमला विक्रीपत्र
17	सौ. मंगला महेंद्र पटले	3	दुर्गा नगर 300/7	रवींद्र नितरामजी परिहार	रजिस्टर विक्रीपत्र
18	पाटील यादव उत्तम पाटील पाटील प्रकाश पाटील, उषा उके, उज्ज्वला मेश्राम	5	विजय नगर 3728	पाटील उत्तम सुदाम, उके उषा चतूर्धन, मेश्राम उज्ज्वला राजेंद्र, पाटील प्रकाश उत्तम, पाटील सीमा प्रकाश. सुदाम, पाटील कल्पना	नोटरी वारसान पत्र
19	कुकसे शरद श्रीपतराव	1	राय टाऊन बी.ए.विंग-3/303	राजेश रामसम्हारो कनोजिया, सविता रा. कनोजिया	रजिस्टर विक्रीपत्र

उपरोक्त नमुद मालमत्तेवरील वारसान व त्या व्यतिरिक्त ज्यांच्या हक्क असेल त्यांनी सदर्हु मालमत्तेबाबत कोणताही आक्षेप असल्यास हा जाहीरनामा नगर परिषदच्या फलकावर प्रसिध्द झाल्याच्या तारखेपासुन आवश्यक दस्ताएवजासह लेखी आक्षेप 7 दिवसांचे आत प्रशासक नगर परिषद डिगडोह (देवी) ला सादर करावा. नमुद मुदतीच्या आत कोणत्याही स्वरूपाचे आक्षेप प्राप्त न झाल्यास वर नमुद अर्जाचे अनुषंगाने दायित्व बदलविण्याचा निर्णय घेण्यात येईल. तरी संबंधितांनी नोंद घ्यावी.

शिक्का

स्वा/-
मुख्याधिकारी ख्याधिका डिगडोह, (देवी)

कार्यालय नगर परिषद सावनेर
ता. सावनेर, जिल्हा नागपूर

E-Mail :municipalcouncilsaoner@gmail.com संपर्क -: ०७११३-२३२२१७, टोल-फ्रि क्र-: . १८००२७४

क्रमाक/नपसा/क.वि/ 2127/2025 — दिनांक 30/06/2025

जाहीरनामा

नगर परिषद सावनेर क्षेत्रातील मालमत्तांच्या नावात बदल करण्याबाबत.

सर्व नागरिकांना जाहीर रित्या सूचित करण्यात येते कि, नगर परिषद सावनेर क्षेत्रातील मालमत्तांचे (घर व खाली जागा) नाव बदल करण्याकरिता खालील प्रमाणे नमूद कारणास्तव अर्ज या कार्यालयाकडे प्राप्त झालेले आहे. तरि नागरिकांनी/आक्षेप करत्यांनी जाहीरनामा प्रसिद्ध झाल्यापासून १५ दिवसाच्या आत आक्षेप । हरकती वैद्य कागजपत्रासह आवश्यक पुराव्यासह लेखी या कार्यलयाकडे सादर करावे. विहित मुदतीनंतर प्राप्त होणारे आक्षेप / हरकती 'अर्जावर विचार केला जाणार नाही. मालमत्तेवरील नावात बदल करण्याबाबतचे अर्जदाराचे अर्जानुसार करआकारणी पंजीयनात आवश्यकत्या दुरुस्तीनुसार नावाची नोंद घेण्यात येईल. सर्व नागरिकांच्या / जनतेचा/ मालमत्ताधारकांच्या माहितीस जाहीरनामा प्रसिद्ध करण्यात येत आहे.

तसेच जाहीरनामा मुदत संपल्यानंतर ३० दिवसाच्या आत अर्जदाराने फेरफार शुल्क, विकास शुल्क अदा करून फेरफार घेणे आवश्यक आहे. देण्यात आलेल्या मुदती पर्यन्त फेरफार शुल्क, विकास शुल्क भरण्यात न आल्यास सदर प्रकरण नस्ती करण्यात येईल या वर मुदती नंतर कोणताही आक्षेप ग्राह्य धरता येणार नाही, नस्ती झालेली हस्तांतरण प्रक्रिया नव्याने केस सादर करून त्यावर नियमानुसार कार्यवाही करून घेण्यात येईल याची नोंद सर्व अर्जदार यांनी घ्यावी.

मुख्याधिकारी
नगर परिषद सावनेर

अ.क्र.	वार्डक्र.	मालमत्ता क्र./ सर्वे क्र.	न. प. रेकॉर्डला दर्ज असलेले नाव	नाव नोंद करण्याकरिता अर्ज सादर केलेल्या व्यक्तीचे नाव	कश्याच्या आधारे
1	-	ख.नं. 448/2 प्लॉट क्र. 18 1	तेजराम शंकर श्रीखंडे	किर्ती परेश पींगे	विक्रीपत्र
2	6	101	हेमंत कांतीलाल चिन्होरकर	डॉ. नितीन मदनराव पोटोडे व इतर	विक्रीपत्र
3	11	195	छोटेलाल लालाजी नाहारकर	माधुरी अनुप नाहरकर	निगला सर्टिफीकेट
4	4	2605	विजय लक्ष्मणराव घटे	योगेश सुर्यकांत लाखांनी	विक्रीपत्र
5	-	ख.ने. 451/2 भु.क्र. 15	श्याम अनील धोटे व इतर	कलावती नथ्थुजी चटप	विक्रीपत्र
6	15	88	महादेव दयाराम बसवार	रोशन शिवशंकर बसवार	प्रतिज्ञालेख
7	-	ख. ने 461/3 प्लॉट क्र. 32	धनराज विश्वनाथजी कोल्हे व इतर	आकाश अशोकरावजी दलणे	विक्रीपत्र
8	4	2576	नामदेव चिमाजी चौधरी	ग. भा, जनाबाई नामदेवराव चौधरी व इतर.	विक्रीपत्र
9	-	सर्वक्र. 451/2 प्लॉट क्र. 27	अमोल गजानन ताजने व इतर	ज्योती चंद्रशेखर शेंडे	विक्रीपत्र
10	8	627	वत्सलाबाई गुलाबराव पीसे.	नाना गुलाबराव पीसे	बक्षीसपत्र
11	3	780	डॉ. अंशुल प्रमोद महाजन व इतर	डॉ. नेहा अनुप जयस्वाल	विक्रीपत्र
12	-	ख. ने: 421/1 भु. क्र 9.52	हरगोवीद महादेवदास भुतडा व इतरा	भुपेश ज्ञानेश्वर राजगुरु	विक्रीपत्र
13	4	402	मनोहर योगाजी चौधरी	किर्ती सतिश भंडारी व इतर.	प्रतिज्ञालेख
14	9	सर्वे नं. 1.2.3 व 11 रजातक 9	किशोर पन्नालालजी गुरहारीकर	अनिकेत रमेश मांडवकर	विक्रीपत्र
15	-	खानं. 461/3 प्लॉट क्र. 33	धनराज विश्वनाथ कोल्हे	महादेव राजेराम चिमोटे	विक्रीपत्र
16	4	SAON, 00015320	मेघश्याम शिवरामजी येलकर	अमित अरुणराव वेरुलकर	विक्रीपत्र
17	4	SHON, 100013191	गुणवंत चिंधुजी बनकर	कल्पना अरविंद घ्यार	विक्रीपत्र
18	-	ख. नं. 530/1 प्लॉट क्र.3	रामकृष्णा उर्फ विष्णु नत्थुसान कुंभारे	मंजु क्रिष्णा पखाले	विक्रीपत्र
19	-	ख. नं. 530/1 प्लॉट क्र.4	रामकृणा उर्फ विष्णु नत्थुसान कुंभारे-	मंजु क्रिष्णा पखाले	विक्रीपत्र
20	-	शेत् सर्वे-7012 प्लॉट क्र.4	विमल प्रभाकरराव ठाकरे	विशाल महादेवराव ढोके	विक्रीपत्र
21	-	ख. नं. 218/1 प्लॉट क्र. 7	प्रकाश नामदेवराव बालपांडे	किशोर यशवंतराव दोरखंडे	विक्रीपत्र
22	-	ख. नं. 577, 58/1, प्लॉट क्र.9	सुनिला वसंतराव पाटील	माधुरी उर्फ संगीता चंद्रमोहन निंबालकर	विक्रीपत्र
23	-	ख. नं. 577, 58/1, प्लॉट क्र.8	सुनिला वसंतराव पाटील	चंद्रमोहन राघोबाजी निंबालकर	विक्रीपत्र
24	4	1206	विनायक माणिकराव बल्की	ज्ञानेश्वर गुलाबराव निंबालकर	विक्रीपत्र
25	11	258	किसन सिताराम वानखेडे	सुगंधाबाई किसन वानखडे व इतर	प्रतिज्ञापत्र
26	-	ख. नं. 65 प्लॉट क्र.3	चक्रधर संतोषराव झाडे व इतर	बाबा आसाराम युवनाथी	विक्रीपत्र
27	14	441	शिवशंकर विठोबाजी कापसे	अंजना शिवशंकर कापसे व इतर	प्रतिज्ञापत्र
28	4	सर्व नं. 3637/ 4612 प्लॉट क्र 13	हरगोविंद महादेवदास भुतडा	अर्चना बंडुजी बोरीवार	विक्रीपत्र
29	4	खानं, 22 प्लॉट क्र. 1	श्रद्धानंद सोनबा सोमकुवर	मनोज बाबुराव सावरकर	विक्रीपत्र
30	-	ख. नं, 587 प्लॉट क्र. 14	वसंतराव पुरुषोत्तम बले व इतर	राहूल भैय्याजी वाघ व इतर	विक्रीपत्र
31	4	खःजे. 190 प्लॉट नं. 42	धनराज अन्नाजी आकोटकर	गंगाधर चैतुणी दखने	विक्रीपत्र
32	-	सर्व जे. 192/193 प्लॉट नं. 72	विकास दौलतराव क्षीरसागर व इतर	देवेंद्र रामाजी डेकाटे	विक्रीपत्र
33	-	ख. नं, 232 प्लॉट क्र. 8	अमोल मधुकर अंबरते व इतर	वजिता रामदास महल्ले	विक्रीपत्र
34	9	भु. क् 9. 17,3 व 1 प्लॉट क्र. 133	किशोर पन्नालालजी गुहारीकर व इतर	कृष्णगोपाल मोहनलाल गांधी	विक्रीपत्र
35	4	ख. क् .18 प्लॉट क्र.. 16.	सौ. कौसल्याबाई मारोती तांडेकर	संजय दामुजी गजभिये व इतर	विक्रीपत्र
36	17	555	राजबहादुर कामनाप्रसाद कश्यप	गर्जन रामजनम प्रसाद	विक्रीपत्र
37	17	ख. क्. 1013/1 प्लॉट क्र.1	देवेंद्र नारायण बंभुरे	देवेंद्र नारायण बंभुरे	प्रतिज्ञालेख
38	-	ख. क् . 587 प्लॉट क्र. 17	वसंतराव पुरुषोत्तम बले व इतर	पुष्पा अशोक करांगले	विक्रीपत्र
39	-	ख. क् . 512 प्लॉट क्र. 30	धनराज विश्वनाथ कोल्हे व इतर	श्रीमती शोभाबाई हरिभाऊ करनकर	विक्रीपत्र
40	-	ख. क् . 512 प्लॉट क्र. 29	धनराज विश्वनाथ कोल्हे व इतर	सोभा हरीभाऊ कारनकर	विक्रीपत्र
41	4	2188	नंदलाल ईश्वर बाजनघाटे	प्रज्वल अरविंद गजभिये	विक्रीपत्र
42	2	633	सिंधुबाई राजेंद्र शेwwलके	मनिषा सतिश चोरे	विक्रीपत्र

सुविचार

"सपनों को सच करना है तो पहले खुद पर विश्वास करना सीखो, क्योंकि विश्वास ही पहला कदम है सफलता की ओर।"

संपादकीय

सेफली जैन

राह चलते मामूली बातों पर हो रहा विवाद, रौब दिखाने के चक्कर में हो रही हत्या

पिछले कुछ वर्षों से शहरों-महानगरों में सड़कों पर यह विडंबना तेजी से बढ़ी है कि बेहद मामूली बात पर दो पक्ष आपस में उलझ जाते हैं और कई बार टकराव इस कदर हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेता है कि उसमें किसी की जान चली जाती है। सड़कों पर हिंसा की यह एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो न केवल नाहक उपजे तात्कालिक गुस्से के बेलगाम होने का नतीजा होती है, बल्कि इसका अंजाम एक अपराध के रूप में भी सामने आता है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें दो वाहन चालक या लोग गलती से हल्की टक्कर होने या फिर बेहद छोटी बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को दिल्ली के नंदनगरी इलाके में गलती से एक ई-रिक्शा एक कार से टकरा गया, जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मगर सिर्फ इतनी-सी बात के लिए कार चालक ने आवेश में आकर ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी। यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन-सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। खासकर जब उसके पास कोई खतरनाक हथियार भी हो। नतीजतन, जिन बातों पर टकराव भी नहीं होना चाहिए, उन पर हत्या तक कर दी जाती है।

नंदनगरी में बेहद मामूली बात पर ई-रिक्शा चालक को गोली मार देने के पीछे भी आक्रोश था, जिसे कुछ पल के धीरज से टाला जा सकता था। दरअसल, अपनी गाड़ी से किसी अन्य वाहन के छू जाने, हल्की टक्कर होने या फिर आगे निकलने पर होने वाली बहसें आजकल चिंताजनक रूप से हिंसक टकराव में तब्दील होती देखी जा रही हैं। सड़कों पर यह एक ऐसी विकृति पल रही है, जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, क्योंकि अनदेखी करने लायक बातों पर भी जिस तरह के टकराव खड़े हो जाते हैं, उनमें वहां बात करने और आपसी समझ और सद्भाव से विवाद को सुलझाने की गुंजाइश कम होती जा रही है।

प्रिय सूर्यवंशी

क्षेत्रीय विकल्पों का प्रभाव!

राजनीति को एक तरफ रखते हुए, 'संयुक्त महाराष्ट्र समिति' ने दिखा दिया था कि महाराष्ट्र के हित के लिए एक मजबूत केंद्र के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है. इस घटना की सत्तरवीं वर्षगांठ अगले वर्ष 2026 में मनाई जाएगी। तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू और गृहमंत्री वल्लभभाई पटेल की मराठी-द्वेषी नीति के खिलाफ महाराष्ट्र में सबसे पहले आक्रोश पैदा हुआ और यह 1956 में संयुक्त महाराष्ट्र समिति के गठन में तब्दील हो गया। आजादी से पहले भाषाई राज्य गठन की वकालत करने वाले नेहरू-पटेल ने बाद में अपना रुख बदल लिया। इसके कारण मराठी भाषियों के लिए स्वतंत्र राज्य बनने की संभावना दूर हो गई। यह महाराष्ट्र के साथ अन्याय था। कम्युनिस्ट भाई अमृत डांगे से लेकर नेहरू कैबिनेट के सदस्य चिंतामन द्वारकानाथ उर्फ सीडी देशमुख, केशव सीताराम उर्फ प्रबोधनकर ठाकरे, श्रीधर माधव उर्फ एसएम जोशी, अन्ना भाऊ साठे, प्रल्हाद केशव उर्फ आचार्य अत्रे आदि इसके खिलाफ खड़े हुए और धीरे-धीरे संयुक्त महाराष्ट्र के लिए एक मजबूत आंदोलन तैयार हुआ। वे गैर-पक्षपाती थे। इस सफलता के बाद, चार साल बाद महाराष्ट्र का गठन हुआ। इस पर टिप्पणी करने से पहले इन दोनों घटनाओं के बीच समानता और अंतर का उल्लेख करना आवश्यक है। दोनों के बीच समानता के दो बहुत महत्वपूर्ण बिंदु हैं। एक तो यह कि केंद्र सरकार उतनी ही सशक्त और शक्तिशाली है जितनी तब थी। उस समय भी आरोप लगा था कि केंद्र द्वारा संघीय भावनाओं को कुचला जा रहा है और आज भी यही हो रहा है। तेलुगु भाषी पोट्टी श्रीरामलु ने सबसे पहले इसे चुनौती दी और आंध्र प्रदेश का गठन हुआ। आज भी दक्षिणी राज्य केंद्र के संघीय दमन के खिलाफ खड़े नजर आते हैं। समानता का एक और अधिक महत्वपूर्ण बिंदु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उर्फ गुरुजी ने उस समय नेहरू-पटेल का खुलकर समर्थन किया था और ऐसा नहीं है कि अब कुछ अलग है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राज्य के भाषाई पुनर्गठन का विरोधी था। यहां तक कि संघ स्वयंसेवक संघ भी यह दावा नहीं करेगा कि आज उसकी भूमिका बदल गई है। इसी विचारधारा के आधार पर जन्मी वर्तमान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी अब मराठी स्कूलों में हिंदी भाषा थोपने की कोशिश कर रही है, इसके पीछे यही पृष्ठभूमि है। अब कुछ अंतरों के बारे में। उस समय पं. सी.डी. देशमुख ने नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने का साहस किया, जो फिलहाल असंभव है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक भी माया पुत्र आज महाराष्ट्र के पीछे खड़ा होने की हिम्मत नहीं करेगा। उस समय उनके इस्तीफे के बाद भी, पंडित नेहरू और सी.डी. के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। ऐसी उम्मीदें भी वर्तमान समय में असंभव हैं। दूसरा मतभेद विफल शिवसेना पार्टी है। यद्यपि शिवसेना का कानूनी रूप से नेतृत्व एकनाथ शिंदे कर रहे हैं , लेकिन राजनीतिक रूप से यह भाजपा से जुड़ी हुई है। इसलिए, राज्य के लिए भाजपा के खिलाफ कोई भी रुख अपनाने की हिम्मत करना उसके लिए असंभव है। यही हाल अजीत पवार की राष्ट्रवादी पार्टी का है। केंद्रीय मशीनरी की भयावह साजिशों से बचने के लिए, वे भी भाजपा के सदस्य बन गए और इसलिए उनकी राष्ट्रवादी पार्टी को 'सच्चा' माना गया। लेकिन शिंदे की सेना या अजीत पवार की राष्ट्रवादी पार्टी क्या है? इन दोनों पार्टियों का अस्तित्व केंद्रीय सत्तारूढ़ भाजपा की जरूरत है! जब तक यह मौजूद है, तब तक वे मौजूद रहेंगे। फिर इन दोनों 'आधिकारिक' पार्टियों के लिए राज्य की खातिर भाजपा का विरोध करना असंभव है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है 'संयुक्त महाराष्ट्र समिति' का गैर-राजनीतिक स्वरूप। यद्यपि उस समिति में सभी दल शामिल थे, लेकिन समिति का चेहरा राजनीतिक नहीं था। अब भी, हिंदी के मुद्दे पर संबंधितों द्वारा वही प्रयास किए जा रहे हैं। देखना यह है कि वे कितने सफल होंगे। उस समय, ये सभी दल/नेता कांग्रेस के खिलाफ थे। अब भी, जो ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं, वे भाजपा के खिलाफ हैं, लेकिन उन्हें भाजपा-विरोधी बताने की तुलना में उन्हें भाजपा-संबद्ध कहना अधिक सही है। उनमें से, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना दो दल हैं जो विशेष रूप से भाजपा-संबद्ध हैं। इस सारी पृष्ठभूमि का क्या अर्थ है?

इन साठ वर्षों में मराठी लोगों को एक प्रामाणिक क्षेत्रीय विकल्प से कितना वंचित रखा गया है, इसका एक निराशाजनक चित्र 'तब' और 'अब' की तुलना से सामने आता है। भारत जैसे राक्षसी राज्य की कोई क्षेत्रीय पहचान होनी चाहिए या देश के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्रीय पहचान बनाई जानी चाहिए, यह केवल विद्वानों के बीच बहस का विषय नहीं है। 'विविधता में एकता' भारत की वास्तविकता थी। यह अभी भी है। हालांकि, असली सवाल यह है कि क्या यह 'एक देश, एक धर्म, एक भाषा' की मानसिकता से पैदा हुई मजबूत राजनीतिक धारा में जीवित रह पाएगा।

पिछले दस वर्षों की राजनीति ने सभी को इन मुद्दों की तीव्रता का एहसास कराया है और हिंदी भाषा की अनिवार्यता का बहाना बनाकर इसका विरोध व्यक्त करने की जरूरत राजनीतिक दलों में पैदा हुई है। आज राज्य में गैर-भाजपा दल हिंदी के मुद्दे पर एक साथ आते दिख रहे हैं। संयुक्त महाराष्ट्र समिति के आंदोलन की तरह अब इसमें कम्युनिस्टों की भागीदारी भी देखी गई और इसी विचारधारा से बनी कांग्रेस या शरद पवार की राष्ट्रवादी पार्टी भी इस विरोध का हिस्सा बन गई है। लेकिन इस बीच सत्ता के भूखे इन लोगों में से कई मराठी भूल गए और हिंदी समर्थक भाजपा के साथ हो लिए। भाजपा 'जरूरत पूरी करो, डॉक्टर मरो' के सिद्धांत पर चलती है। जब उनकी जरूरत खत्म हो गई, तो इन दलों को मराठी मुद्दे को उठाने की जरूरत महसूस हुई। जब भाषा और क्षेत्रीय पहचान पर राजनीति को प्राथमिकता दी जाती है, तो यही होता है। बेशक, जो हुआ वह नया नहीं है। जम्मू-कश्मीर में सीधे 'पीडीपी' को देशद्रोही घोषित करने वाली पार्टी के साथ भाजपा के सत्ता में आने का इतिहास ताजा है। यह मानने का कोई कारण नहीं है कि महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों ने कोई अक्षम्य पाप किया है। पिछली स्थिति जो भी हो, यह स्वागत योग्य विकास है कि इन दलों ने महाराष्ट्र के मुद्दे के महत्व को समझ लिया है। ऐसा करते समय, सिर्फ़ इस तथ्य को मान लेना कि दो ठाकरे और एक पवार मार्च के लिए एक साथ आए, उनके राजनीतिक गठबंधन का संकेत मान लेना राजनीतिक अहंकार है। चैनल चर्चाओं के संदर्भ में यह ठीक है। अभी के लिए, इस क्षेत्रीय विकल्प के प्रभाव को सावधानी से देखना बेहतर है।

सचिन ठेंगे

अब आवाज़ उठाना ज़रूरी

सत्ता के दुरुपयोग और धमकी के बढ़ते मामले

देशभर में सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक दबाव के ज़रिए आम नागरिकों को डराने-धमकाने के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। गाँवों से लेकर शहरों तक, कुछ प्रभावशाली लोग अपनी ताकत और राजनीतिक संबंधों का उपयोग करके सीधे या परोक्ष रूप से आम परिवारों को धमकी देते हैं। ऐसे मामलों में अक्सर 10 से 15 लोगों का समूह बनाकर किसी एक परिवार पर दबाव डाला जाता है, जिससे वे मानसिक रूप से असुरक्षित महसूस करें। कई बार यह दबाव सीधे तौर पर होता है, और कई बार कुछ दिन बाद किसी और के ज़रिए दोबारा वही त्रास दिया जाता है। यह एक संगठित मानसिक उत्पीड़न है, जो लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ है। ऐसे मामलों में स्थानीय स्तर पर पुलिस कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन कई बार पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता। कई नागरिक भयवश चुप रहते हैं, लेकिन उन्हें यह जानना ज़रूरी है कि भारत का संविधान और क़ानून उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है। धमकी, शारीरिक हिंसा, मानसिक उत्पीड़न – ये सभी भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध हैं। अगर किसी नागरिक को धमकी दी जाती है या राजनैतिक ताकत के ज़रिए दबाव बनाया जाता है, तो उनके पास कई विकल्प उपलब्ध हैं। 1. स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत या एफआईआर दर्ज कराएं. 2. जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शिकायत भेजें. 3. राज्य के गृह मंत्रालय या मुख्यमंत्री कार्यालय को शिकायत करें. cmo.maharashtra.gov.in. 4. प्रधानमंत्री कार्यालय को pgportal.gov.in पर जाकर ऑनलाइन शिकायत करें. 5. राज्य मानवाधिकार आयोग या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को शिकायत भेजें – nhrc.nic.in. 6. लोकायुक्त या भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो को पत्र भेजा जा सकता है, यदि मामला पद का दुरुपयोग हो इन संस्थाओं में से किसी एक या एक से अधिक को शिकायत भेजना अधिक प्रभावी हो सकता है। सभी शिकायतों में घटना का विवरण, तारीख, स्थान, संबंधित व्यक्ति का नाम, गवाह या साक्ष्य और आपकी पूरी जानकारी देना आवश्यक होता है। ऐसे मामलों में आमतौर पर कुछ राजनैतिक व्यक्ति खुद सामने नहीं आते, लेकिन तीसरे पक्ष का उपयोग करके दबाव बनाते हैं। इससे लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निजी सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है। नागरिकों के लिए प्रारूप सेवा में माननीय अधिकारी विषय: सामाजिक दबाव व अप्रत्यक्ष राजनीतिक धमकी के संबंध में शिकायत महोदय, सविनय निवेदन है कि मैं आपके ध्यान में एक गंभीर विषय लाना चाहता/चाहती हूँ हाल ही में कुछ लोगों ने मेरे परिवार को अप्रत्यक्ष रूप से धमकाया यह कहते हुए कि यदि हम शांत नहीं रहे या विरोध करते रहे तो हमारे साथ वही होगा जो कुछ समय पहले गाँव के एक अन्य परिवार के साथ हुआ था. यह धमकी सीधे तौर पर नहीं दी गई परंतु एक ऐसे व्यक्ति के माध्यम से दी गई जो राजनीतिक रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं यह पूरा प्रयास मानसिक दबाव बनाने और हमें डराकर चुप कराने का है यह कोई अकेला मामला नहीं है पहले भी हमारे क्षेत्र में इसी तरह के घटनाक्रम सामने आए हैं. मेरी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लोगों की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी नागरिक इस प्रकार के दुरुपयोग और भय के वातावरण का शिकार न हो मैं आपसे अपेक्षा करता/ करती हूँ कि आप मुझे और मेरे परिवार को आवश्यक सुरक्षा देंगे और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाएंगे.

आपका आभारी: (नाम, पता और संपर्क संख्या यहाँ नागरिक द्वारा भरे जाने चाहिए) उपयोग की विधि. यह पत्र किसी भी सरकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज करते समय उपयोग किया जा सकता है नागरिक इसे अपने अनुसार संपादित कर मुख्यमंत्री कार्यालय पुलिस थाने लोकायुक्त मानवाधिकार आयोग आदि को भेज सकते हैं घटना की तारीख नाम साक्ष्य आदि जोड़कर इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है. यह केवल अन्याय नहीं, बल्कि क़ानून का सीधा अपमान है. भारतीय दंड संहिता और संविधान के अनुसार, किसी भी नागरिक को निम्नलिखित मामलों में शिकायत दर्ज कराने और न्याय प्राप्त करने का पूरा अधिकार है. धमकी देना – भारतीय दण्ड संहिता धारा 506, शारीरिक हमला – भारतीय दण्ड संहिता धारा 323, भीड़ द्वारा हमला – भारतीय दण्ड संहिता धारा 147, 148, आपराधिक दबाव. इन सभी के खिलाफ नागरिक संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग कर सकते हैं.

कविता

'धरती की पुकार'

आसमान का रंग बदल गया है,
बादलों का स्वर मद्धम है।
सूरज कभी तपता अंगारा,
तो कभी खो जाए शबनम है।
नदी किनारे रेत बढ़ी है,
जल की बूंदें गिनती में।
पेड़ थके से, पत्ते सूखे,
हरियाली अब चिन्तन में।
हवा में गर्मी, सांसें भारी,
गर्म जून में बर्फ पिघली।
पर्वत बोले – "मैं थक गया हूँ,
अपनी चोटी खुद से गली।"
मनुष्य अब भी मौन खड़ा है,
सुविधा का वो कैदी है।
विकास की अंधी दौड़ में
विनाश की हर सीढ़ी है।
धरती कहती – "अब भी जागो,
संभलो, लौटो, कुछ तो करो।
बच्चों को आकाश दिखाओ,
नीला, निर्मल, सच तो करो।"
पेड़ लगाओ, जल बचाओ,
शहरों को फिर सांस दो।
प्रकृति नहीं व्यापार हमारी,
जीवन उसका मूल स्रोत हो।

> सूर्या ठाकुर

बालकथा

रूपाली मुन

चतुर गौरैया और बिल्ली

एक समय की बात है, एक घने पीपल के पेड़ पर गौरैया का छोटा-सा घर था। वह रोज़ सुबह उड़कर दाना चुगती और शाम को अपने घर लौट आती। पेड़ के नीचे एक भूखी बिल्ली रहती थी, जो गौरैया को पकड़ने के लिए हर दिन नई चाल सोचती। एक दिन बिल्ली ने सोचा, "अगर मैं पेड़ के नीचे मरने का नाटक करूँ, तो गौरैया मेरे पास उतर आएगी और मैं उसे झपट लूंगी।" उसने अपनी आँखें बंद कीं, जीभ बाहर निकाली और एकदम मरी हुई जैसी लेट गई। गौरैया जैसे ही वापस आई, उसने बिल्ली को यूँ पड़ा देखा। पहले तो वह चौंकी, फिर उसने देखा कि बिल्ली की पूंछ धीरे-धीरे हिल रही है। वह समझ गई कि यह कोई चाल है। गौरैया चुपचाप उड़कर पास के एक झाड़ पर बैठ गई और बोली, "बिल्ली मौसी! यदि तुम मर ही गई हो, तो ज़रा अपनी पूंछ भी सीधी कर लो!" बिल्ली यह सुनते ही चौंकी और उठकर भागने लगी। अब उसकी चाल सबके सामने खुल चुकी थी। पेड़ के सारे पक्षी हँसने लगे और गौरैया ने चैन की साँस ली। सीख: संकट के समय चतुराई और सतर्कता से काम लेना चाहिए।

लघुकथा

राकेश लॉकेट

झूठ का फल

गाँव में राहुल नाम का एक होशियार लेकिन चालाक लड़का रहता था। वह अपनी छोटी-छोटी गलतियों को छुपाने के लिए अक्सर झूठ बोलता था। शुरू-शुरू में उसके झूठ किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते थे, पर धीरे-धीरे वह आदत बन गई। एक दिन गाँव में अफवाह फैली कि पास के जंगल में शेर आ गया है। सब डरे हुए थे।

राहुल ने सोचा, "क्यों न मज़ाक किया जाए?" वह दौड़ता हुआ गाँव के चौक पर आया और चिल्लाने लगा, "शेर! शेर! मेरी मदद करो!" सभी लोग दौड़े-दौड़े आए, डंडे और लाठियाँ लेकर, लेकिन वहाँ कुछ नहीं था। राहुल ज़ोर-ज़ोर से हँसा और बोला, "मज़ाक था!"

सेफ ट्रैवल मानसून में बेस्ट जगहें

मानसून में अक्सर लोग पहाड़ों पर जाने से कतराते हैं. क्योंकि इस वक्त पहाड़ों पर बारिश की वजह से लैंडस्लाइड का खतरा काफी ज्यादा रहता है. खासकर उत्तराखंड, हिमाचल और नॉर्थ ईस्ट के पहाड़ी क्षेत्रों में हर साल मानसून के दौरान लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिससे न केवल जानमाल का नुकसान होता है बल्कि यात्रियों की छुट्टियां भी खराब हो जाती हैं.

ऐसे में जो लोग मानसून के मौसम में नेचर का लुत्फ उठाना तो चाहते हैं लेकिन जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं जहां लैंडस्लाइड का खतरा बेहद कम या ना के बराबर होता है. तो चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे भारत के चार ऐसे लोकेशन, जो मानसून में भी पूरी तरह सुरक्षित माने जाते हैं और घूमने के लिहाज से भी बेहद खूबसूरत हैं. अगर आप लैंडस्लाइड से बचना चाहते हैं तो आपके लिए पंचमढ़ी एक अच्छा डेस्टिनेशन हो सकता है. ये मध्य प्रदेश के सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसा हिल स्टेशन है, जो खूबसूरत होने के साथ ही सेफ भी है. यहां की जमीन चट्टानी है, जिसकी वजह से यहां लैंडस्लाइड की घटनाएं न के बराबर होती हैं. मानसून में यहां की हरियाली, झरने और गुफाएं देखने लायक होती हैं. कम भीड़ भाड़ और नेचर का मजा लेने के लिए ये जगह परफेक्ट है. पुणे और मुंबई के बीच स्थित लोनावला एक पॉपुलर वीकेंड गेटवे है, जो मानसून में देखने लायक होता है. ये आपको हिल स्टेशन की फुल वाइब देगा और यहां लैंडस्लाइड का खतरा भी बहुत कम होता है. मानसून में यहां के झरने, हरियाली, भुशी डैम और राजमाची किला देखने लायक होता है. सुरक्षित सड़कें और बेहतर कनेक्टिविटी इसे फैमिली के साथ घूमने के लिए परफेक्ट लोकेशन बनाती हैं. राजस्थान का एकलौता हिल स्टेशन माउंट आबू अरावली पर्वतमाला में स्थित है. मानसून में आप यहां आराम से घूम सकते हैं. बारिश के दौरान नक्की लेक, गुरु शिखर और दिलवाड़ा मंदिर जैसे स्थल बेहद आकर्षक लगते हैं. हालांकि, कम बारिश के बाद भी यहां का मौसम काफी अच्छा रहता है. अरावली रेंज में स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व मानसून में नेचर लवर्स के लिए बेस्ट जगह है. यहां की जमीन फर्म और लेवल में है, जिससे लैंडस्लाइड का कोई खतरा नहीं होता. यहां की वाइल्डलाइफ सफारी, जंगल वॉक और शांत वातावरण का मजा ले सकते हैं. अगर आप मानसून में यहां आते हैं तो यहां की हरियाली आपका मन मोह लेगी. साथ ही इस मौसम में आपको यहां कई जानवर भी देखने मिल जाएंगे.

समीक्षा

मणि त्रिपाठी

प्रबोध कुमार गोविल का रचना संसार

सदियों से मनुष्य वर्तमान में रहकर भविष्य की कल्पना कर रहा है। सामान्य मनुष्य भविष्य की कल्पना करता है परंतु एक लेखक ही है जो उस कल्पना को शब्द देता है, फिर उसे एक रूप और आकार प्रदान करता है। प्रबोध कुमार गोविल ऐसे कथाकार हैं जो कि अपने समय की सीमा को लांघते हुए, भविष्य के द्वार को पाठकों के लिए खोलते नज़र आते हैं। उनकी कई रचनाएँ अपने समकालीन परिवेश से आगे नज़र आती हैं। आज के सभी युगीन लेखको के लेखन में कल्पना की उड़ान है, परंतु भविष्य की दस्तक को अच्छी तरह सुनकर अपनी कलम से उसे आकार देकर प्रबोध कुमार गोविल पाठक को आने वाले समय का एहसास दिलाते है। उनके सृजनात्मक लेखन का प्रमाण उनकी एक कहानी "पिछली सदी की पोटली" से मिलता है जिसमें सभी पात्र भविष्य में रहते हैं और आज से कई साल आगे की टेक्नोलॉजी का उपयोग करते दिखाई देते हैं। कहानी में एक स्थान पर वह भविष्य का वर्णन करते हुए कहते है की 'पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में यह सुविधा आ गई थी कि कनॉट प्लेस पर लगे टॉवर की छत से एक विशेष कैप्सूल पहन कर वहां रखी तोपों से आप कुछ रुपये देकर, आप सीधे अपने घर की छत पर शूट हो सकते थे। अपनी छत का रेजिस्ट्रेशन करवा कर एक विशेष नंबर कार्ड आपको बनवाना पड़ता था। कुछ लाख रुपये खर्च करके। शाम के समय हवाई जहाज से ऊपर से देखने पर रंग बिरंगे पतंगों से लगते थे ये कैप्सूल।' इनके लेखन में सामाजिक प्रतिबद्धता है, जिससे कहानियों और उपन्यासों के पात्र अपने आस-पास की घटनाओं से प्रभावित होते हैं तथा अपने जीवन की जटिलताओं से लड़ते हुए अपना जीवन व्यतीत कर देते है। "रेत होते रिश्ते" इनका एक ऐसा ही आधुनिक समाज में टूटते रिश्तों का उपन्यास है। जो एक ऐसी लड़की की कथा पर आधारित है। जिसे उसका अपना परिवार ही दर्द भरा जीवन जीने के लिए दूसरों के हाथों बेच देता है और जो अपने संघर्ष से अपना जीवन बनाती है। स्वार्थ के कारण आज निकटतम रिश्ता भी व्यवसाय बनता जा रहा है। जिसे इस उपन्यास में आधुनिक समाज और महानगर के परिवेश में यंत्रवत होती मानवीयता को अच्छी तरह से रेखांकित किया गया है।

प्रबोध कुमार गोविल आज के समय की समस्याओं से उलझते है। साथ ही उनसे दो-दो हाथ करने से पीछे नही हटते। अपने लेखन से वह उन विषयों को भी सामने लाते है जिन पर लोग हमारे तथाकथित सभ्य कहे जाने वाले समाज में सामान्य तौर पर लिखने या बोलने से कतराते है।

"देहाश्रम का मनजोगी" इनका प्रथम उपन्यास है, जिसमें इन्होंने यौन-शुचिता को लेकर लिखा है। इसका प्रकाशन 1982 में हुआ था। और तब से इसके बारे में यहीं माना जाता रहा है कि यह उपन्यास अपने समय से पूर्व ही लिखा गया है। इस उपन्यास में व्यक्ति की यौनेच्छाओं और यौनपूर्ति से संबन्धित उसकी अस्मिता को लेकर लिखा गया है। जो समाज में मनुष्य के शरीर को लेकर बनाए गए नियमों को बदलने की गुजारिश करता है। जिससे की मानव शरीर समाज के बंधनों की जकड़ से छूटकर स्वछंद विचरण कर सकें। प्रबोध कुमार गोविल चुनौती चाहते हैं। वह उन अन्य लेखको के बारे में भी निरंतर चिंतन करते रहते है जिन्हें अभी तक साहित्य जगत में सामने नहीं लाया गया है। वह कहते है कि 'हिंदी में बहुत सारे बेहद महत्वपूर्ण ऐसे साहित्यकार भी है, जिन्होंने सार्थक और नायाब आधुनिक साहित्य रचा है, निरंतर लिख भी रहे हैं पर इस बात से बिल्कुल बेखबर हैं कि उनके काम को सामने लाया जा रहा है या नही।' इसके लिए वह 2015 से प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर राही सहयोग संस्थान के सौजन्य से दुनिया भर के सौ बड़े लेखकों(जीवित) को चुन कर वर्तमान समय में उनकी एक रैंकिंग तैयार करते हैं। प्रबोध कुमार गोविल का लेखन समाज में परिवर्तन और बदलाव लाने की प्रेरणा लेकर हमारे सामने प्रस्तुत होता है। इनके लेखन में समाज से जुड़ा हर छोटा बड़ा विषय, भाव विचार आदि नजर आते हैं। जहाँ यह अपने कई समकालीन लेखकों से समय में आगे बढ़ते दिखाई पड़ते हैं।

इनका अभी तक आठ उपन्यास प्रकाशित हो चुका हैं, जिनमें "बेस्वाद मांस का टुकड़ा" और "वंश" उपन्यासों में मनुष्य के मन में छुपी हुई इच्छाओं और काम-वासना को दर्शाया गया हैं। जहाँ दुष्प्रभाव से जीवन किस प्रकार प्रभावित होता है इसको बहुत ही सुंदर रूप से सामने लाया गया है। उपन्यास "आखेट महल" के पात्र मानव मन की अतल गहराइयों में जाकर सुख की तलाश करते हैं। जो वर्तमान समय की चूहा-दौड़ को सफलतापूर्वक दर्शाते हैं। लेखक अपने साहित्य से पाठक का सामना एक ऐसी दुनिया से करवाते है, जहाँ राजतंत्र भले ही समाप्त हो गया हो परंतु आज के जनतंत्र में उसकी रूढ़ियाँ अभी भी कायम है और मनुष्य सत्ता की दौड़ में अंधाधुंध भागता जा रहा है। इनके उपन्यासों में काम भावना, दमित भावनाओं सहित तमाम मानसिक स्थितियों का खुलकर चित्रण हुआ है। जहाँ रचनाओं की स्थित और घटित घटनाओं के सम्बन्ध पात्रों के साथ यथार्थ परक लगते हैं।

उपन्यास "जल तू जलाल तू" में जीवन के यथार्थ का खुल कर चित्रण किया गया है। जिसमें पात्र समय को पकड़ने का प्रयास करते हुए प्रतीत होते हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रबोध कुमार गोविल ने अपने नये उपन्यास "अक़ाब" में भूमंडलीकरण के दौर को व्याख्यायित करने का भरसक प्रयास करते दिखते है। इस उपन्यास का कथानक पूरे विश्व को अपने में समेटे चलता है। जहाँ उपन्यास के सभी पात्र जापान, अमेरिका, भारत, पाकिस्तान, लेबनान, उज़्बेकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका सहित विश्व के कई और देशों से संबंध रखते है। इस उपन्यास का मंच पूरा विश्व है। जिसमें उपन्यास का मुख्य पात्र तनिष्क कोई आम युवा नहीं है जिसे की न अपनी मंज़िल का पता है और न अपने रास्तों का। और न ही मौज-मस्ती और खाने-खेलने में वह अपना समय गवाता है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

अमृत योजना की विफलता

> कांग्रेस जिला अध्यक्ष रितेश तिवारी का गंभीर आरोप

चंद्रपुर.

केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है और चंद्रपुर महानगरपालिका में भी भाजपा का महापौर है। उनके कार्यकाल में अमृत जलापूर्ति योजना शुरू की गई थी। लेकिन इस योजना के क्रियान्वयन में ढिलाई बरती गई और अब मानसून सीजन का हवाला देकर भाजपा विधायक और नगराध्यक्ष अमृत योजना के काम को अस्थायी रूप से रोकने का बयान दे रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है, ऐसा कांग्रेस शहर जिला अध्यक्ष रितेश (रामू) तिवारी ने कहा।

अमृत जलापूर्ति योजना के लिए चंद्रपुर महानगरपालिका ने 2017 में कार्यादेश दिया था। 2019 तक काम पूरा होने की उम्मीद थी। लेकिन 8 साल बाद भी कई इलाकों में पाइपलाइन का काम अधूरा है। हर घर तक पानी नहीं पहुंचा है। पानी के मीटर की व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। दूसरी ओर शहर में कई सड़कों की खुदाई कर उन्हें ऐसे ही छोड़ दिए जाने से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रितेश तिवारी ने हमला करते हुए कहा कि, "सत्तारूढ़ भाजपा ने ठेकेदारों के साथ मिलीभगत करके अमृत योजना का काम देरी से, लापरवाही से पूरा किया। अधूरे काम के बावजूद योजना की तारीफ हो रही है। लेकिन, उन्हें लोगों की प्यास का अहसास नहीं है।"

चंद्रपुर के विधायक जब निर्दलीय थे, तब बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते थे। अब भाजपा में शामिल होने के बाद वे उन्हीं कामों को टालने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भाजपा नगर निगम प्रशासकों के माध्यम से अपना काम कर रही है और नागरिकों के कामों की अनदेखी कर रही है।

भाजपा विधायक किशोर जोरगेवार के सुझाव पर भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मनपा आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मानसून से पहले चल रहे काम को अस्थायी तौर पर रोकने की मांग की है। भाजपा ने इसका कारण सड़कों की खराब हालत और बारिश के कारण होने वाली परेशानियों को बताया है। यह विशुद्ध राजनीतिक स्टंट है और भाजपा अपनी विफलता को छिपाने के लिए यह नाटक रच रही है। यह इतना दुर्भाग्यपूर्ण नहीं है कि जिन

> भाजपा विधायक और भाजपा महानगर अध्यक्ष की नौटंकी

भाजपा विधायकों और पदाधिकारियों के शासनकाल में यह योजना शुरू हुई और काम ठप हो गया, उन्हीं को अब काम रोकना पड़ रहा है।

अमृत योजना के कारण चंद्रपुर शहर की सड़कों की हालत बहुत खराब हो गई है। जलापूर्ति और सीवेज कार्यों के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है।

रितेश तिवारी ने भाजपा नेताओं पर केवल बयान देने और प्रचार के लिए ऐसा करने का आरोप लगाया है। रितेश तिवारी ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर भविष्य में नागरिकों का किसी भी तरह से उत्पीड़न हुआ तो कांग्रेस विरोध करने से पीछे नहीं हटेगी।

वेकोलि ने मनाया स्वच्छता सप्ताह

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

वेकोलि बल्लारपुर क्षेत्र द्वारा 16 जून से 30 जून 2025 तक स्वच्छता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला परिषद माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजुरा में

26 जून को चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 27 जून को वक्तृत्व प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वेकोलि की सहायक प्रबंधक टी. सबिता थीं, जबकि समूह शिक्षा अधिकारी मंगला तोडे अध्यक्ष थीं और शिक्षक विजय तोडसे, अतुल घोनमोडे और अफरोज बेग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता तक्षु कडुकर 10वीं (ए), तन्वी येगेवार 9वीं (बी), पायल धुमाने 8वीं (बी), श्रेया वरवड़े 8वीं, पेंटिंग प्रतियोगिता में मानसी भोज, अक्षता अंबिलधगले 10वीं (ए), सोनाली रागीत 7वीं, सक्षम वानखेड़े 6वीं थीं।

भाषण प्रतियोगिता का पुरस्कार कक्षा 9वीं (बी) की मानसी धुमणे और कक्षा 7वीं की स्वरा लोहबले ने जीता।

इस अवसर पर टी. सबिता ने ऑनलाइन प्रश्न बॉक्स लिया और तुरंत पुरस्कार प्रदान किए। टी. सबिता ने बताया कि इस अवसर पर वेकोलि द्वारा स्कूल में विभिन्न सेवाएं एवं सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन समीर बंदाली ने किया। कार्यक्रम में शिक्षण स्टाफ, गैर-शिक्षण स्टाफ और विद्यार्थी शामिल हुए।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य : डी.के. आरीकर

> उर्जानगर में 25वां राज्यस्तरीय पर्यावरण सम्मेलन

चंद्रपुर.

उद्योग के नाम पर देश में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हो रही है, प्रदूषण के कारण लाखों एकड़ भूमि बंजर हो गई है, मानव जीवन नष्ट होने में अधिक समय नहीं लगेगा। इसलिए, पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को पहल करनी चाहिए, ऐसा पर्यावरण संरक्षण समिति के अध्यक्ष दलित मित्र और आदिवासी सेवक डी.के. आरीकर ने 25 वीं पर्यावरण संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा।

वे श्रमिक मनोरंजन केंद्र ऊर्जानगर, चंद्रपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं विकास समिति की ओर से 25वें पर्यावरण सम्मेलन में बोल रहे थे।

सम्मेलन का उद्घाटन नागपुर के प्रख्यात लेखक एवं विचारक डॉ. बलवंत भोयर ने किया। कार्यक्रम में सत्यशोधक समाज के जिला अध्यक्ष एडवोकेट हीराचंद बोरकुटे, रीनाताई पांडे मुंबई, डॉ. तुकाराम धोबे, डॉ.

देव कन्नके, तेमराज भाले, महादेव वैद्य, अर्चना राठौड़, एलीजा बोरकुटे, अतुल कोल्हे सहित विशेष अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत पीपल के पेड़ की पूजा से हुई। इस कार्यक्रम में बच्चों ने पर्यावरण पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर पेड़ों को बचाने का संदेश दिया। उसके बाद पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकार डॉ. धनराज खानोरकर, प्रकाश देवगड़े, गोपी मित्रा के साथ ही सविता कोट्टी को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बियानी नगर सोसायटी और पसायदान वरिष्ठ नागरिक संघ द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाबाराव भोयर, विनोद डोंडल, रामरत्न देशमुख, प्रदीप महाजन, सुरेखा राडके, महेंद्र शिरोडे, समीक्षा मांडवकर, नमिता पाठक, प्रदीप एडकिने, अतुल ठाकरे, आशीष येडांगे, एल.वी. उपस्थित थे। घागी, पुंडलिक अरीकर रामदास काले, संजय फले, संजय भोंगले, सुधीर कोर्डे, सुधाकर मोकदम, विनोद सातपुते, संखिप्ता शिंदे, वर्षा कोठेकर, शुंभगी डोंगरवार, सुषमा जांभुलकर, विठ्ठलराव बड़खल और नागपुर, वर्धा, यवतमाल और चंद्रपुर जिलों से बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का परिचय समिति सचिव हरीश सासंकर, संचालन समिति सदस्य अपेक्षा और धन्यवाद ज्ञापन रामदास काले ने किया।

मोहन हीराबाई हीरालाल के जीवन पर पुस्तक का प्रकाशन

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय मोहन हीराबाई हीरालाल के जीवन पर महाराष्ट्र के विभिन्न पर्यावरण, सामाजिक और सर्वोदय कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग लेखों में लिखी गई पुस्तक 'स्वराज्य यात्री' में स्मरण किया गया। चंद्रपुर श्रमिक पत्रकार संघ में 'स्वराज्य यात्री' पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर लोकसत्ता समाचार पत्र के स्थानीय संपादक देवेंद्र गावंडे टिप्पणीकार के रूप में चर्चा मंच पर उपस्थित थे और शुभदा देशमुख कार्यक्रम की अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थीं। इसके अलावा मोहन हीराबाई हीरालाल की पत्नी सविता तारे, चंद्रपुर के सामाजिक कार्यकर्ता किशोर जामदार भी चर्चा मंच पर मौजूद थे।

इस पुस्तक में मोहन हीराबाई हीरालाल के जीवन पर 26 अलग-अलग लेख हैं, साथ ही मोहन हीराबाई हीरालाल के स्वयं के 4 लेख भी हैं। स्वर्गीय मोहन का बचपन, स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में उनके दिन, जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति का नारा और 1980 के दशक में भारत के युवा और उसमें शामिल उनके कार्य, महाराष्ट्र के मेंढा

लेखा गांव में ग्राम स्वराज्य के लिए आंदोलन, स्वर्गीय मोहन के ग्राम दान के लिए अंत तक के प्रयास इस पुस्तक में शामिल हैं। यह पुस्तक बिक्री के लिए उपलब्ध है।

इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर मुख्य टिप्पणीकार लोकसत्ता नागपुर के स्थानीय संपादक देवेंद्र गावंडे ने कहा कि चूंकि मेरा बचपन गढ़चिरौली जिले में बीता है, इसलिए वहां के पर्यावरण आंदोलन से मेरा गहरा जुड़ाव रहा है। मोहन भाऊ की वजह से ही मेरा पत्रकारिता का करियर परवान चढ़ा, मैं मोहन भाऊ को 'साधारण लोगों के बीच असाधारण व्यक्ति' कहूंगा। उन्होंने कई वर्षों तक सरकार नामक क्रूर मशीन से सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी और इस लड़ाई को लड़ते हुए उन्होंने गांधीजी की अहिंसा की नीति को अपनाया। उन्होंने कहा कि मोहन भाऊ ने अपने जीवन में एक बार भी हिंसा का सहारा लिए बिना गढ़चिरौली के आदिवासियों को जो जीत दिलाई, वह बहुत बड़ी और दूसरों के लिए प्रेरणादायी है।

गढ़चिरौली जिले से 'हम अपने स्वास्थ्य के लिए' संस्था की प्रतिनिधि श्रीमती शुभदा देशमुख अध्यक्ष के रूप में मंच पर थीं। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मोहन हीराबाई हीरालाल के जीवन ने हमारे जीवन में बहुत कुछ बदल दिया है। आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान कुर्मा घर की आवश्यकता होती है, मोहन की मदद से हम ऐसे घरों को डिजाइन करने में सक्षम हुए।

उन्होंने यह भी कहा कि इस घर का उपयोग केवल मासिक धर्म के दौरान ही नहीं बल्कि पारिवारिक विवादों के दौरान भी किया जाता है। मोहन हीराबाई हीरालाल की पत्नी सविता तारे ने मंच से बात की, और उन्होंने दिवंगत मोहन के साथ बिताए दिनों को याद करने की कोशिश की।

कार्यक्रम का परिचय श्री किशोर जामदार ने दिया। अपने परिचय में उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा चंद्रपुर गढ़चिरौली क्षेत्र में स्वर्गीय मोहन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेश दुधपचारे ने किया तथा आभार डॉ. महेंद्र ठाकरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में चंद्रपुर के गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विभागीय जांच शुरू होने के बावजूद अधिकारियों पर गढ़चिरोली प्रशासन में अहम भूमिका

जिले की चौंकाने वाली हकीकत...

गढ़चिरोली.

अत्यंत दुर्गम, आदिवासी बहुल और नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिला कलेक्टरेट में बेहद महत्वपूर्ण विभाग संभाल रहे डिप्टी कलेक्टरेट कैडर के दो अधिकारियों ने, जिनमें से एक गोंदिया जिले के देवरी उपविभागीय अधिकारी थे, कोल्हापुर जिले के राधानगरी उपविभाग में एक क्रैशर के खिलाफ शिकायत का निपटारा करने के लिए सरपंच से कुल ग्यारह लाख की मांग की थी। उसमें से साढ़े पांच लाख की रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के अधिकारी को गिरफ्तार कर सरकार को बदनाम करने के आरोप में विभागीय जांच चल रही है। यह बहुत आश्चर्य की बात है कि इन दोनों अधिकारियों को गढ़चिरोली जिला कलेक्टरेट में महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गढ़चिरौली जिला कलेक्टरेट में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पटल संभालने वाले अधिकारी ने गोंदिया जिले के देवरी उपविभागीय अधिकारी के पद पर कार्यरत रहते हुए पुलिस पाटिल भर्ती प्रक्रिया को क्रियान्वित करते समय पुलिस पाटिल भर्ती आवेदन पत्र निशुल्क उपलब्ध कराने का प्रावधान किया था। सरकार की अनुमति लिए बिना बैंक में खाता खोला गया था। पुलिस पाटिल भर्ती प्रक्रिया को क्रियान्वित करते समय नियुक्ति आदेश जारी करते समय संबंधित उम्मीदवारों से बड़ी मात्रा में धनराशि निकाली गई और भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने के बाद पुलिस पाटिल भर्ती प्रक्रिया में आवेदक द्वारा भुगतान की गई राशि बैंक खाते से निकाल ली गई, जिससे लाखों का वित्तीय गबन हुआ। इस मामले की विभागीय जांच अभी भी विभागीय कार्यालय नागपुर में लंबित है। गढ़चिरोली जिला कलेक्टरेट के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता का कोल्हापुर जिले के राधानगरी तालुका में फरले ग्रुप ग्राम पंचायत की सीमा में लिंगाचीवाड़ी में सिलिका सैंड वाशिंग प्लांट क्रशर है। राधानगरी जिला अधिकारी और फराले गांव के सरपंच ने प्लॉट का दौरा किया, जिसमें कहा गया कि क्रशर के आवागमन के कारण सड़कें खराब हो रही हैं और घरों में दरारें पड़ रही हैं। सरपंच ने प्लांट को बंद करने का नोटिस जारी किया था। सरपंच ने राधानगरी प्रांताधिकारी को सरपंच के नोटिस के संबंध में सरपंच से मिलने के लिए कहा। तदनुसार, सरपंच ने उनसे मुलाकात की और नोटिस को रद्द करने के लिए प्रांत से 10 लाख रुपये और खुद के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह की मांग की। उसके बाद शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में शिकायत की। विभाग की टीम ने इसका सत्यापन किया। इस बीच, शिकायतकर्ता ने प्रांताधिकारी से उनके निवास पर मुलाकात की, सरपंच की इच्छा से अवगत कराया और प्रांत ने इस पर सहमति जताई। उसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की टीम ने मुख्य प्रशासनिक भवन के परिसर में जाल बिछाया। उसके बाद प्रांताधिकारी को उनके राधानगरी प्रांत कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले की विभागीय जांच पुणे में चल रही है और लंबित है। इन दोनों अधिकारियों की विभागीय जांच अवधि के दौरान सरकार के राजस्व विभाग ने उन्हें सजा के तौर पर गढ़चिरौली जिले में भेजा था। हालांकि प्रशासनिक हलकों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है कि गढ़चिरौली कलेक्टरेट में एक अधिकारी को डिप्टी कलेक्टर प्रशासन, भूमि अधिग्रहण, भूमि का महत्वपूर्ण विभाग और दूसरे अधिकारी को डिप्टी कलेक्टर आवासीय, स्थापना का महत्वपूर्ण विभाग सौंपा गया है। हालांकि जिला कलेक्टर, मुख्यमंत्री और पालकमंत्री और सह-संरक्षक मंत्री लगातार जिले के समग्र विकास को सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं, इन भ्रष्ट अधिकारियों ने जिला कलेक्टरेट के महत्वपूर्ण विभाग में अपना स्थान बना लिया है।

चंद्रपुर बस स्टैंड पर चोरों का साम्राज्य, पुलिस प्रशासन की अनदेखी

> जनता असुरक्षित, प्रशासन मौन

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले के घुग्गुस निवासी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे आदित्य भारत साढ़वे के साथ मोबाइल चोरी की घटना सामने आई है। यह घटना तब हुई जब वह अपनी माता के साथ मुर्तजापुर से चंद्रपुर रेलवे स्टेशन होकर बस स्टैंड पहुंचा था। जैसे ही वह बस में चढ़ा, अज्ञात चोर ने उसका मोबाइल चुरा लिया । सीट पर बैठते ही उसे पता चला कि मोबाइल जेब से गायब है। चंद्रपुर बस स्टैंड पर प्रतिदिन हज़ारों छात्र-छात्राएं और आम नागरिकों की आवाजाही होती है। इसके बावजूद, लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि बस स्टैंड से रामनगर पुलिस स्टेशन महज कुछ कदमों की दूरी पर स्थित है, फिर भी चोर बेखौफ होकर

वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

एफआईआर दर्ज करने से इनकार, पुलिस पर गंभीर आरोप. मोबाइल चोरी की शिकायत लेकर जब आदित्य रामनगर पुलिस स्टेशन पहुंचा, तो पुलिस कर्मी ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। चोरी की एफआईआर दर्ज करने की बजाय, केवल "मोबाइल गुम होने" की साधारण शिकायत दर्ज की गई। इससे नाराज़ आदित्य ने अब जिले के पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर संबंधित पुलिस कर्मी पर कार्रवाई और चोरी की विधिवत एफआईआर दर्ज करने की माँग की है।

आरटीआई कार्यकर्ता ने उठाई आवाज, चेताया आंदोलन का रास्ता : माहिती अधिकार कार्यकर्ता महासंघ के जिला अध्यक्ष - हिमायू अली के नेतृत्व मे माहिती अधिकार

> आरटीआई कार्यकर्ता ने दी आंदोलन की कड़ी चेतावनी

कार्यकर्ता महासंघ चंद्रपुर शहर अध्यक्ष हाजी अली ने जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर को ज्ञापन दिया गया। हाजी अली ने कहा है कि बस स्टैंड जैसे अत्यंत भीड़भाड़ वाले स्थानों पर न तो सीसीटीवी कैमरे हैं और न ही पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था। उन्होंने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर जल्द से जल्द कैमरे नहीं लगाए गए और सुरक्षा व्यवस्था नहीं बढ़ाई गई, तो महासंघ जनहित में आंदोलन करेगा। ज्ञापन देते समय शिल्पा कांबळे, शाहरुख अली, यार मोहमद अली, अरबाज अली, सुभान खान पठान की उपस्थिति थी। अब देखना यह होगा कि क्या जिला अधिकारी और चंद्रपुर पुलिस अधीक्षक इस शिकायत को गंभीरता से लेते हैं और पीड़ित छात्र को न्याय दिलाने की दिशा में उचित कदम उठाते हैं।

हेरा फेरी 3 में परेश रावल ही बनेंगे बाबू भैया!

बॉलीवुड की शानदार फिल्मों में से एक रही हेरा फेरी के तीसरे पार्ट को लेकर जो विवाद चल रहा था वह सुलझ गया है। परेश रावल ने पहले इस फिल्म का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया था। इसके बाद अक्षय कुमार की कंपनी केप गुड फिल्म्स ने उन्हें 25 करोड़ का लीगल नोटिस भेजा था और फिर खबर आई थी कि परेश रावल की जगह किसी और को बाबू भैया का रोल मिल सकता है, लेकिन अब खुद परेश रावल ने इस बात का ऐलान किया है कि जो भी कंट्रोवर्सी चल रही थी वह सुलझ गई है।

यानी अब वह बाबू भैया का रोल निभा सकते हैं।''द हिमांशु मेहता शो' में हेरा फेरी 3 कंट्रोवर्सी पर परेश रावल ने बात की। उन्होंने कहा, "विवाद कुछ भी है ही नहीं। जब कोई चीज इतनी लोगों को अच्छी लगती है, तो हमें थोड़ा और सावधान होने की जरूरत होती है। हमारी ऑडियंस के प्रति एक जिम्मेदारी है। वो लोग बैठे हैं, इतना प्यार करते हैं। इन चीजों को आप नजरअंदाज या फिर हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उनको देना पड़ता है।"

परेश रावल ने आगे कहा, "मेरा मानना तो यही है कि सब साथ आएं, मेहनत करें और कुछ भी नहीं। कोई विवाद नहीं हुआ है। अब सबकुछ हमारे बीच सुलझ गया है। पहले जिस तरह से फिल्म आने वाली थी, वैसी ही आएगी। क्या होता है कि थोड़ा एक-दूसरे को फाइन ट्यून करना पड़ता है। सब क्रिएटिव लोग हैं। प्रियदर्शन, अक्षय, सुनील... सभी सालों से दोस्त हैं।"

बता दें, परेश रावल ने पहले खुद हेरा फेरी 3 को छोड़ने का ऐलान किया था। परेश रावल को जो फिल्म के लिए साइनिंग अमाउंट के तौर पर 11 लाख रुपये भी मिले थे वह भी उन्होंने ब्याज के साथ लौटा दिए थे। कई दिनों तक कंट्रोवर्सी सुर्खियों में रही। हालांकि अब परेश ने फिल्म से वापस जुड़ने का ऐलान कर दिया। जिसे सुनकर एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक खुशी की लहर दौड़ गई है।

कपिल के शो में बवाल कपिल ने की अर्चना की खिंचाई

कपिल शर्मा का पॉपुलर कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का तीसरा सीजन 21 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। इस बार शो में एक खास बात ये रही कि नवजोत सिंह सिद्धू ने लंबे समय बाद शो में वापसी की है और उन्हें अर्चना पूरण सिंह के साथ को-जज के रुप में देखा गया। जैसेकी पहले एपिसोड में सिद्धू नजर आए थे। इससे दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। लेकिन अब शो के दूसरे एपिसोड में सिद्धू गायब थे। इस पर होस्ट कपिल शर्मा ने अर्चना की खिंचाई करते हुए नजर आ रहे है।

जब कपिल ने अर्चना से पूछा तो, वो हंसते हुए कहती है, 'मुझे क्या पता।' कपिल दूबारा अर्चना की खिंचाई करते हुए पूछते है 'कहीं आपने तो गायब नहीं कर दिया उन्हें?' इस पर अर्चना मजे लेते हुए कहती है। 'मैं क्या तुम्हें नेटफ्लिक्स का कप दिखती हूं जो उन्हें गायब कर दूंगी?' इसके बाद फिर कपिल सिद्धू को कॉल करने की कोशिश करते है, लेकिन मजेदार बात ये रही कि उनका फोन अर्चना के पास था और उन्होंने कॉल काट दी। इतने ही देर में सिद्धू की आवाज वैनिटी वैन की तरफ से आती है, जहां सिद्धू कहते है। 'हैलो , वैन का दरवाजा किसी ने बाहर से बंद कर दिया है। कोई है बाहर तो खोलो इसे'। फैंस को इस शो का अंदाज काफी पसंद आया है, और वो इन्जॉए करते नजर आए है।

इस मजेदार माहौल ने शो के दूसरे एपिसोड को और भी हंसमुख बना दिया। जिसमें दर्शकों को डबल एंटरटेनमेंट मिला है। बता दें कि एपिसोड के लास्ट में सभी कलाकारों को म्यूजिकल चेयर खेलते हुए दिखाया। जिसमें कपिल ने एक बार फिर अर्चना पर मजाक किया और कहा, 'कुर्सी तो पड़ी हुई है, लेकिन बंदा हड़प गईं।' फैंस को इस पूरे एपिसोड में मस्ती का जबरदस्त तड़का देखने को मिला है।

लो बीपी बना शेफाली की अचानक मौत की वजह?

एक्ट्रेस और मॉडल शेफाली जरीवाला ने महज 42 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। पहले कहा जा रहा था कि शुक्रवार की रात शेफाली को हार्ट अटैक आया था और हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई, अब शेफाली की मौत के लगभग 72 घंटे बाद पुलिस ने प्रारंभिक परीक्षण रिपोर्ट में नया खुलासा किया है। रविवार को पुलिस ने बताया है कि बीपी में गिरावट के कारण उन्हें घर पर बेहोशी छाई और अस्पताल में भर्ती होने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

क्या बीपी लो किसी की जान ले सकता है? दरअसल, रविवार को अंबोली पुलिस द्वारा प्राप्त प्रारंभिक परीक्षण रिपोर्ट खुलासा हुआ है। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता के अनुसार एक फोरेंसिक टीम मौके पर बुलाई गई थी, जो मौत के कारण का पता लगाने के लिए सक्षम होती है। ऐसे में अंबोली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, "डॉक्टरों को शक है कि मौत का कारण शेफाली जरीवाला का बीपी कम होना है।" एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें उसके फ्लैट में एंटी-एजिंग/स्किन ग्लो टैबलेट वाले दो बॉक्स मिले थे जिनमें ग्लूटाथियोन और विटामिन की गोलियां थीं।"

पुलिस के अनुसार, शेफाली ने रविवार को अपने घर पर सत्यनारायण पूजा के लिए व्रत रखा था। उन्होंने पूरा दिन कुछ नहीं खाया था। वहीं शेफाली के पति पराग ने पुलिस को बताया कि एक दिन पहले बनाया गया खाना खाने के बाद ही शेफाली बेहोश हो गईं थी। जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल लेकर जाया गया था।

पेट पर लगे 6 कट, फिर भी हो रही है जल्दी रिकवरी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ हाल ही में एक बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. स्टेज 2 लिवर कैंसर की सर्जरी के बाद, अब वो धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं. 11 दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद, हाल ही में उन्हें डिस्चार्ज किया गया है और अब उनकी तबीयत पहले से काफी बेहतर है. पति शोएब इब्राहिम के यूट्यूब चैनल पर एक नए व्लॉग में दीपिका ने अपनी सर्जरी के बारे में खुलकर बात की. सर्जरी के बाद पहली बार वो अपने पति और बेटे रुहान के साथ पारिवारिक आउटिंग पर निकलीं. इससे पहले तक एक्ट्रेस सिर्फ चेक-अप के लिए ही बाहर निकल रही थीं, लेकिन अब वो अपने सभी काम फिर से शुरू कर रही हैं. हालांकि दीपिका का कहना है कि उनकी रोबोटिक सर्जरी के चलते, वो बाकियों से जल्दी रिकवर हो रही हैं. उन्होंने कहा, "रोबोटिक सर्जरी के करण मैं इतनी जल्दी ठीक हो गई. ओपन सर्जरी में आमतौर पर ठीक होने में बहुत ज्यादा समय लगता है. जब हम पहली बार अपने डॉक्टर से मिले, तब उन्होंने बताया कि मेरे मामले में रोबोटिक सर्जरी सबसे अच्छा ऑप्शन होगा क्योंकि ट्यूमर फैला नहीं था."शोएब ने आगे बताया, "ओपन सर्जरी में पेट पर एक बड़ा 'एल' शेप का कट लगता है, लेकिन रोबोटिक सर्जरी में दीपिका के पेट पर अलग-अलग जगहों पर 6 छोटे कट लगे हैं. उन्हीं कट्स से कैमरा डालकर सर्जरी की गई." दीपिका ने आगे बताया कि जाहिर है, ये मरीज पर भी निर्भर करता है. मेरे मामले में रोबोटिक सर्जरी की संभावना थी, लेकिन अगर कोई ट्रांसप्लांट करवा रहा है, तो रोबोटिक मुमकिन नहीं है."

आ गया तन्वी द ग्रेट का ट्रेलर

23 साल के लंबे इंतजार के बाद अनुपम खेर डायरेक्शन की कुर्सी संभाल रहे हैं. जिस फिल्म से उन्होंने अपनी वापसी चुनी, वो है-तन्वी द ग्रेट. जिसका ट्रेलर आ गया है. लंबे वक्त से अनुपम खेर की फिल्म का इंतजार हो रहा है. 3 मिनट के ट्रेलर में तन्वी की कहानी पता लग गई है. 18 जुलाई को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म में शुभांगी दत्त ही तन्वी का रोल कर रही हैं. यह एक ऑटिस्टिक लड़की की कहानी है, जो जितना आपको अपने मासूम सवालों से हंसाएगी, उतना ही उन मासूम सवालों को सुन आप रो पड़ेंगे.

क्या ऑटिज्म तन्वी की उड़ान को रोक देगा?

ट्रेलर की शुरुआत होती है हर-भरे पहाड़ों से. तन्वी उत्तराखंड के लैंसडाउन जा रही है. गढ़वाल राइफ्स के कैंट एरिया में तन्वी को नई उड़ान मिलेगी. फिल्म में अनुपम खेर तन्वी के दादा के किरदार में हैं, जो कर्नल रह चुके हैं. ट्रेलर में जैकी श्रॉफ और बोमन ईरानी की भी शुरुआत में एंट्री हो गई.

तन्वी की कहानी में असली मोड तब आया, जब वो गढ़वाल राइफल मैमोरियल डे सेरेमनी में पहुंचती हैं. उसका सवाल था- "मेरे पापा भी वर्दी पहनते थे, मुझे लगता है वो भी बहादुर हैं", उनको कुछ क्यों नहीं मिला". खुद से नाराज तन्वी पापा के सपने को पूरा करना चाहती हैं, पर कुछ अधूरा है. और दादा बने अनुपम खेर को कहती हैं- मैं इंडियन आर्मी को ज्वाइन करूंगी.

ट्रेलर में तन्वी और दूसरे एक्टर्स के डायलॉग दिल जीतने वाले हैं. जहां वो कहती हैं- "मैं अलग हूं, पर कम नहीं हूं." वहीं जब उसे कहा जाता है कि "आर्मी में चीते जैसा भागना होता है, यह बत्तख की तरह भागती है. तो वो प्यारी सी मुस्कुराहट के साथ बोलती हैं- आप सिखाएंगे मुझे चीते की तरह भागना".

अनुपम खेर बड़े पर्दे पर उस लड़की की कहानी दिखाएंगे, जिसे ऑटिज्म है. यह लड़की न हार मानती है, न रुकती है. पर लोगों के लिए जानना जरूरी है कि ऑटिज्म आखिर है क्या? दरअसल ऑटिज्म एक स्पेक्ट्रम है. यानी जिसे ऑटिज्म होता, वो हर शख्स अलग होता है. यह एक डिसऑर्डर है, जिसका असर नर्वस सिस्टम पर होता है. पर इसके बावजूद तन्वी उससे कैसे लड़ी, दिखाया गया है. इस ट्रेलर की सबसे खास बात है तन्वी का रोल करने वाली शुभांगी, जो हर किसी पर भारी है. नो ड्रामा, नो ओवर एक्टिंग... बस खूबसूरती से एक्टिंग की है.

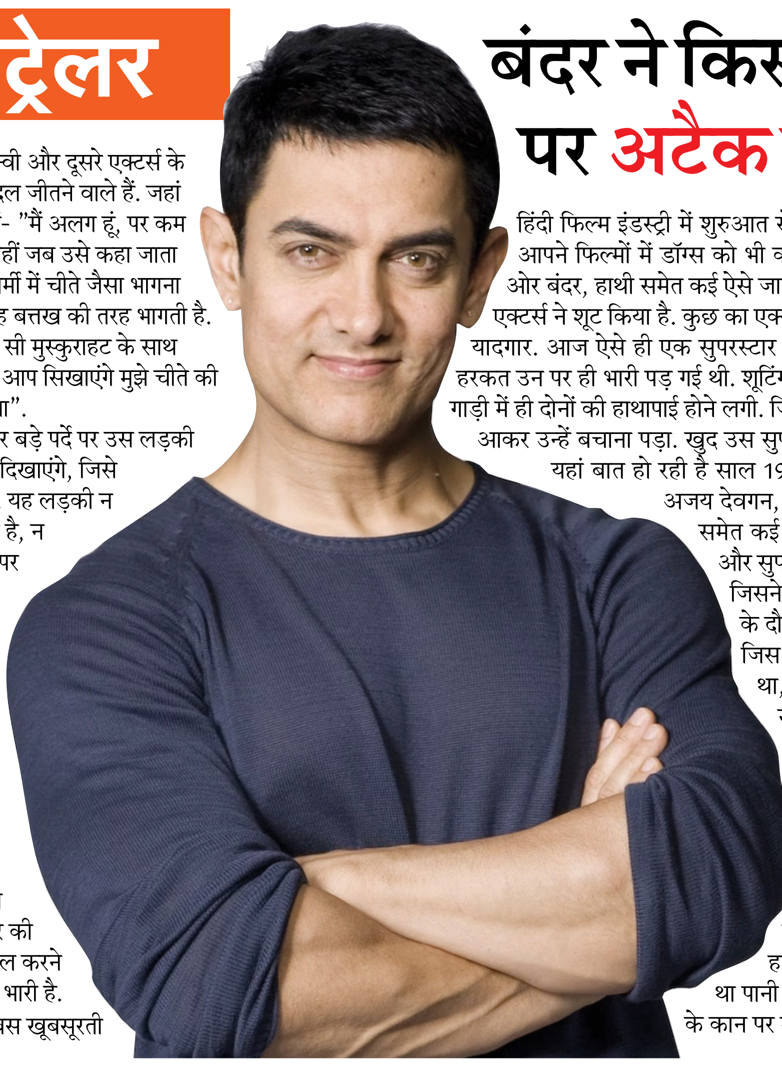

बंदर ने किस सुपरस्टार पर अटैक किया था?

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत से ही कई एक्सपेरिमेंट्स किए गए हैं. आपने फिल्मों में डॉग्स को भी काम करते देखा होगा, तो वहीं दूसरी ओर बंदर, हाथी समेत कई ऐसे जानवर हैं, जिनके साथ आपके पसंदीदा एक्टर्स ने शूट किया है. कुछ का एक्सपीरियंस जबरदस्त रहा, तो कुछ का यादगार. आज ऐसे ही एक सुपरस्टार के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी हरकत उन पर ही भारी पड़ गई थी. शूटिंग के दौरान बंदर ने अटैक किया और गाड़ी में ही दोनों की हाथापाई होने लगी. जिसके बाद अजय देवगन को बीच में आकर उन्हें बचाना पड़ा. खुद उस सुपरस्टार ने यह किस्सा शेयर किया है. यहां बात हो रही है साल 1997 में आई एक फिल्म की. जिसमें अजय देवगन, जूही चावला, काजोल, जॉनी लीवर समेत कई एक्टर्स ने काम किया था. वहीं एक और सुपरस्टार इस स्टार कास्ट में शामिल था. जिसने पहले बंदर को छेड़ा और फिर शूटिंग के दौरान लड़ाई हो गई.

जिस सुपरस्टार पर बंदर ने अटैक किया था, वो कोई और नहीं बल्कि आमिर खान हैं. हाल ही में लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि, 'इश्क' फिल्म की शूटिंग के दौरान बंदर गाड़ी चला रहा था. और अजय देवगन और आमिर खान गाड़ी में पीछे बैठे थे. आमिर खान ने बताया कि- "मेरी एक आदत है कि मैं छेड़खानी करता रहता हूं. जब हम शॉट ले रहे थे, तो मेरे पास वो स्प्रे था पानी मारने वाला. मैं उस स्प्रे से पानी बंदर के कान पर मार रहा था".

'पंचायत' की रिंकी ने तोड़ दी चुप्पी

'पंचायत' वेब सीरीज में रिंकी का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस संविका इन दिनों शो के चौथे सीजन की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट डाला। जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री में रिस्पेक्ट न मिलने की बात कही और अब एक इंटरव्यू में संविका ने इस पोस्ट और 'इनसाइडर-आउटसाइडर' पर खुलकर बात की है। संविका ने इंटरव्यू में कहा, मैं आज भी नेपोटिज़्म को लेकर टेंशन में हूं, लेकिन मैं इस पर ज्यादा कुछ कहना नहीं चाहती। लेकिन ये बात जरूर है कि अगर आप किसी खास बैकग्राउंड से आते हैं, तो चीजें आसान हो जाती हैं। हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई होती है। संविका ने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'ऑडिशन देना एक अलग फाइट है और जब काम मिलने लगे, तब भी जंग चलती रहती है। एक एक्टर की जिंदगी में हर स्टेज पर नई जंग होती है, और मेरे कहने का मतलब सिर्फ इतना था कि कुछ लोगों को बेसिक चीजों के लिए नहीं लड़ना पड़ता, जैसे कि रिस्पेक्ट और बराबरी से ट्रीट किया जाना। जो बाकी लोगों को बिना मांगे मिल जाता है। उसके लिए हमें खुद को साबित क्यों करना पड़ता है, बार-बार लड़ना पड़ता है। तब जाकर वो सम्मान मिलता है।'

फाफ डु प्लेसी के शतक से टेक्सस सुपर किंग्स प्लेऑफ में

वाशिंगटन. अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में टेक्सस सुपर किंग्स ने मौजूदा सीजन के प्लेऑफ का टिकट कटा लिया है. उसने ये कामयाबी मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क को हराते हुए हासिल की है. ये लगातार तीसरी बार है जब टेक्सस सुपर किंग्स एमएलसी के प्लेऑफ में पहुंची है. अब सवाल है कि टेक्सस सुपर किंग्स ने ये कामयाबी हासिल की कैसे? तो इसका जवाब है उनके कप्तान फाफ डु प्लेसी का शतक. डुप्लेसी ने अपनी टीम के लिए बड़े मौके पर बड़ी पारी खेली. उनके शतक का असर इतना तगड़ा रहा कि पोलार्ड ने अपनी टीम के लिए छक्कों का जो रिकॉर्ड तोड़ा, उससे भी कुछ नहीं हुआ.

टेक्सस सुपर किंग्स ने बनाए 223 रन, डुप्लेसी का शतक

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सस सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए. इसमें से नाबाद 103 रन अकेले फाफ डु प्लेसी के रहे, जो उन्होंने 53 गेंदों का सामना करते 9 छक्के और 5 चौके की मदद से बनाए.

ये एमएलसी 2025 में फाफ डु प्लेसी के बल्ले से निकला दूसरा शतक रहा. एमआई के खिलाफ खेली इस शतकीय पारी के दौरान डुप्लेसी ने दूसरे विकेट के लिए मुक्कामल्ला के साथ 80 रन की पार्टनरशिप की. तीसरे विकेट के लिए स्टोइनिस के साथ 57 रन जोड़े जबकि चौथे विकेट के लिए ड्वेन फरेरा के साथ मिलकर उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में ही 81 रन की साझेदारी की.

पोलार्ड ने छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा फिर भी टीम हारी

अब मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के सामने 224 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करने उतरी वो टीम 200 रन की दहलीज भी नहीं लांघ सकी. एमआई न्यूयॉर्क ने 20 ओवर खेलने के बाद 9 विकेट पर बस 184 रन बनाए. इस तरह उन्होंने 39 रन से मैच गंवा दिया, जो कि एमएलसी 2025 में उनकी 7 मैचों में छठी हार रही.

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल बल्लेबाज काइरन पोलार्ड रहे, जिन्होंने 39 गेंदों में 70 रन जड़े. अपनी पारी में उन्होंने 5 छक्के लगाए, जिसके दम पर उन्होंने एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया. एमएलसी में पोलार्ड अब 18 छक्कों के साथ एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. ये रिकॉर्ड पहले मोनांक पटेल के नाम था, जिन्होंने 17 छक्के जड़े थे.

वरुण चक्रवर्ती की ड्रीम टीम में नहीं रोहित-विराट

नई दिल्ली. रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतते ही क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था. भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया. दो फॉर्मेट से संन्यास के बाद रोहित-विराट इंटरनेशनल क्रिकेट में अब बस वनडे फॉर्मेट में सक्रिय हैं. मगर इस फॉर्मेट में भी आगे वो कब तक खेल पाएंगे उसे लेकर सवाल है. इस बीच वरुण चक्रवर्ती ने अपनी ड्रीम टीम का ऐलान किया है, जिससे उन्होंने इन दोनों ही क्रिकेटरों को बाहर रखा है.वरुण चक्रवर्ती ने टी20 की अपनी ड्रीम टीम बनाई है, जिसमें उन्होंने 11 खिलाड़ियों को जगह तो दी है. मगर उनकी बनाई टीम की सबसे बड़ी खबर ये है कि उसमें रोहित-विराट का नाम नहीं है. वरुण चक्रवर्ती ने उन दोनों को अपनी ड्रीम T20 टीम से बाहर रखा है. वरुण चक्रवर्ती ने ये टीम उन खिलाड़ियों को लेकर बनाई है, जिनके साथ वो खेले हैं. अब खेले तो वरुण रोहित-विराट के साथ भी खूब हैं, मगर फिर भी उन्होंने उन दोनों को टीम में जगह नहीं दी.वरुण चक्रवर्ती ने जो ड्रीम टीम चुनी है, वो सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों को मिलाकर नहीं बनाई है, बल्कि उसमें वो विदेशी खिलाड़ी भी है, जिनके साथ या खिलाफ वो खेले हैं. वरुण चक्रवर्ती की ड्रीम टीम के 11 खिलाड़ियों में 3 भारत से शामिल किए हैं. उन तीनों में एक ना सूर्यकुमार यादव का है. दूसरे हार्दिक पंड्या हैं. जबकि तीसरे भारतीय खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह हैं वरुण चक्रवर्ती की टीम में बाकी के 8 खिलाड़ी 6 अलग-अलग देशों से हैं, जिनमें जॉस बटलर, ट्रेविस हेड, राशिद खान, मथीषा पथिराना, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और हेनरिक क्लासन हैं. वरुण चक्रवर्ती ने अपनी ड्रीम टी20 टीम में ओपनिंग की कमान जॉस बटलर और ट्रेविस हेड को सौंपी हैं. वहीं फर्स्ट डाउन सूर्या को रखा है. मिडिल ऑर्डर में हेनरिक क्लासन, हार्दिक पंड्या, निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल हैं. जबकि नीचले क्रम में सुनील नरेन, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह और पथिराना का नाम शामिल है.

यश दयाल पर गंभीर आरोप महिला ने लगाए शोषण के आरोप

बंगलुरु. भारतीय क्रिकेटर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं. गाजियाबाद की रहने वाली इस महिला ने दावा किया है कि यश दयाल ने शादी का वादा करके उनका मानसिक और शारीरिक शोषण किया. यह मामला अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है, जहां महिला ने अपनी शिकायत दर्ज की है. महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह पिछले पांच साल से यश दयाल के साथ रिश्ते में थी. अब इस पीड़िता न कई चौंकाने वाले खुलासे किये हैं.

यश दयाल पर पीड़िता के गंभीर आरोप

यश दयाल हाल ही में आईपीएल 2025 में आरसीबी की ऐतिहासिक जीत का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने 15 मैचों में 13 विकेट लिए. उत्तर प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले इस खिलाड़ी को अभी तक भारतीय नेशनल टीम में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है. लेकिन शारीरिक शोषण के आरोप के बाद वह सुर्खियों में आ गए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि यश अपने रिश्ते के दौरान कई महिलाओं के साथ संबंध में थे. पीड़िता ने दावा किया है कि वह यश को साल 2020 से जानती है. यश ने उन्हें अपने परिवार से कई बार मिलवाया है और वह उनके घर में भी रहीं है. लेकिन यश दयाल ने पिछले ढाई साल में कई लड़कियों के साथ संबंध बनाए हैं. पीड़िता ने ये भी दावा किया है कि तीन लड़कियां उनके टच में हैं, जिनके साथ यश के संबंध थे. रिपोर्ट के मुताबिक, यश दयाल ने इन लड़कियों को भी धोखा दिया है. हालांकि, यश दयाल और उनके परिवार की ओर से इन दावों पर अभी तक कुछ नहीं कहा गया है. यह मामला अब खेल जगत में हलचल मचा रहा है और फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. अब सबकी नजर इस बात पर है कि पुलिस की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और इस मामले का यश दयाल के करियर पर क्या असर पड़ता है.

आईपीएल 2022 में साथ आईं थीं नजर

यश दयाल और इस पीड़िता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. ये फोटो आईपीएल 2022 के दौरान का है. 2022 में जब यश दयाल गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे और टीम चैंपियन बनी थी, तो उस फाइनल के बाद भी दयाल के साथ इस पीड़ित महिला ने अपनी फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं. इसके अलावा इस पीड़िता ने दावा किया है कि ये दोनों फरवरी 2025 में आरसीबी के एक खिलाड़ी की शादी में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने सगाई के बारे में चर्चा की थी

आयुष शेट्टी ने जीता यूएस ओपन भारत के नंबर 2 खिलाड़ी बने

वाशिंगटन. भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे सेटों में हराकर खिताब जीत लिया है। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है और इसी के साथ वह भारत के नंबर 2 पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी भी बन गए हैं।

अमेरिका के आयोवा राज्य के काउंसिल ब्लफ्स कोर्ट में खेले गए फाइनल मुकाबले में 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-18, 21-13 से मुकाबला अपने नाम किया। महज 47 मिनट में खत्म हुए इस मैच का समापन उन्होंने एक शानदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश से किया, जो कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक इतनी तेजी से पहुंचा कि दर्शकों में रोमांच की लहर दौड़ गई। 6 फुट 4 इंच लंबे आयुष का आत्मविश्वास और कोर्ट कवरेज देखते ही बनती थी। उन्होंने तेज और धीमी दोनों साइड्स पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाया और दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन जैसी बॉडी लैंग्वेज के साथ मैच पर पूरी पकड़ बनाए रखी। ब्रायन यांग ने जरूर मुकाबला जीतने की कोशिश की, लेकिन शेट्टी की ताकत, टेम्पो और रणनीति के आगे वह टिक नहीं सके। महिला एकल फाइनल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन उन्हें अमेरिका की टॉप सीड बेवेन झांग के हाथों तीन गेम तक चले मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। गैरवरीय तन्वी ने अपने पहले वर्ल्ड टूर फाइनल में पूरी ताकत झोंकी लेकिन 46 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्हें 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उनकी यह उपलब्धि भी भारतीय बैडमिंटन के लिए एक साहसिक संकेत है.

बुमराह को लेकर सामने आई चौंकाने वाली खबर

लंदन. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में मेजबान 1-0 से आगे हैं. लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था. अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा. इस मुकाबले की शुरुआत 2 जुलाई से होगी, जिसके लिए भारतीय टीम तैयारी में जुटी है. इन सब के बीच टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है.

गंभीर ने किया बुमराह को बाहर?

पिछले कुछ दिनों से खबरें आ रही हैं कि जसप्रीत बुमराह सीरीज के दूसरे मैच का हिस्सा नहीं होंगे. टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड मैनेजमेंट को प्राथमिकता दे रहा है. अब एजबेस्टन में ऐसा कुछ हुआ है जिसके बाद ये लगभग तय हो गया है कि बुमराह दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एजबेस्टन में हुए प्रैक्टिस सेशन के दौरान गंभीर और बुमराह के बीच लंबी बातचीत देखी गई, और इसके बाद फैसला ले लिया गया है कि बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा. सोमवार की दोपहर बर्मिंघम में प्रैक्टिस सेशन के दौरान जसप्रीत बुमराह ने गेंदबाजी भी नहीं की. दूसरी ओर मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने मैदान पर पसीना बहाया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बरकरार रखने की संभावना है. लेकिन पहले टेस्ट में सिराज और कृष्णा ने मिलकर सिर्फ 9 विकेट लिए, उनकी इकॉनमी रेट भी 6 से ज्यादा की रही. दूसरी ओर, तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में आकाश दीप को मौका दिया जाएगा या फिर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है.

पहले टेस्ट में झटके थे 5 विकेट

बता दें, पहले टेस्ट में बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में पांच विकेट लिए थे, लेकिन दूसरी पारी में वह कोई विकेट नहीं ले सके थे. इसके बावजूद, उनकी गेंदबाजी भारत के लिए सबसे मजबूत हथियार रही. हालांकि, हेड कोच गौतम गंभीर ने पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह इस सीरीज के सभी पांच टेस्ट नहीं खेलेंगे और केवल तीन टेस्ट में उनकी सेवाएं ली जाएंगी. ऐसे में बुमराह का प्रैक्टिस ना करना इस बार का संकेत माना जा रहा है कि उन्हें इस मैच में आराम दिया जाना तय है.

अजहर महमूद बने पाकिस्तान के कार्यवाहक टेस्ट कोच

लाहौर. साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लगातार संघर्ष करती आई है। हालांकि वह टी20 क्रिकेट में खिताब के करीब तो पहुंचे हैं लेकिन टेस्ट में उनकी हालत बद से बदतर होती जा रही है। पीसीबी ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम का कार्यवाहक टेस्ट हेड कोच नियुक्त किया है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नई साइकल के शुरू होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट में यह बदलाव दर्शाता है कि वह अभी भी कोई फैसला नहीं कर पाए हैं। अब तक टीम ने पर्मानेंट हेड कोच की नियुक्ति नहीं की है। अब तक खेले गए तीन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से काफी दूर रहने वाली पाकिस्तान के लिए टेस्ट मैच घर पर जीतना भी मुश्किल हो गया है। लगातार बदलते कप्तान और हेड कोच ने टीम के प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है। बता दें कि टेस्ट टीम की कमान बाबर आजम से लेकर शान मसूद को दे दी गई है। भारत में खेले गए वनडे वर्ल्डकप 2023 के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान टीम के तत्कालीन कप्तान बाबर आजम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उन्हें बाद में टी20 टीम की कमान सौंपी गई लेकिन 2024 टी20 वर्ल्डकप में अगले दौर में भी नहीं पहुंच पाई।

पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद ने 1996 से 2007 तक पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट और 143 वनडे खेले, जिसमें उन्होंने 162 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए और तीन शतक सहित 2400 से अधिक रन बनाए। उन्होंने पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कुल 23 आईपीएल मैच खेले, जिसमें से वह केकेआर के लिए सिर्फ एक मैच के लिए ही मैदान पर उतर पाए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 30 जून 2025 को कहा कि अजहर अपनी वर्तमान अनुबंध अवधि, यानी अप्रैल 2026 तक इस भूमिका में रहेंगे। उनकी पहली जिम्मेदारी अक्टूबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, इसके बाद दिसंबर-जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम के साथ होंगे।

पीसीबी ने अपने बयान में अजहर के अनुभव की सराहना की, जिसमें उनकी रणनीतिक सोच और अंग्रेजी काउंटी क्रिकेट में सरे के साथ दो काउंटी चैंपियनशिप खिताब जीतने का उल्लेख किया गया। बोर्ड ने कहा, "अजहर महमूद एक अनुभवी क्रिकेटर हैं.

केन के दो गोल से बेयर्न क्वार्टर फाइनल में

अटलांटा. हैरी केन के दो गोल की मदद से बेयर्न म्यूनिख ने हार्ड रॉक स्टेडियम में फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। इसी के साथ उसने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विन्सेंट कोम्पनी की टीम अब शनिवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। यह मुकाबला अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेला जाएगा। बायर्न ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली, एरिक पुल्गर ने अनजाने में अपने ही नेट में हेडर मारा और केन का डिफ्लेक्टेड ड्राइव पोस्ट से अंदर चला गया।

भारतीय कमेंट्री पर भड़के रोहित शर्मा

नई दिल्ली. पिछले एक दशक में भारतीय क्रिकेट टीम ने मैदान पर उतार चढ़ाव वाला दौर देखा है। कभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीता तो कभी फैंस को फूट फूट कर रोना पड़ा। कभी सपने अधूरे रहे तो कभी पूरे हिंदुस्तान ने साथ मिलकर जश्न मनाए। लेकिन इस दौरान एक चीज का स्तर लगातार गिरता गया है और वह है क्रिकेट कमेंट्री। एक दौर था, जब रेडियो पर कमेंट्री सुनकर मैच सुनने वाले मैदान की फील्डिंग से लेकर बॉलर और कप्तान के साथ बल्लेबाज की रणनीति तक समझ लेते हैं। आज 72 कैमरों से लाइव प्रसारित होने के बावजूद युवाओं को ये समझ नहीं आता कि गली और प्वाइंट में क्या अंतर है। हाल में भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने क्रिकेट कमेंट्री और जर्नलिज्म के गिरते स्तर पर नाराजगी जताई है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री की क्वालिटी की तुलना भारतीय कमेंट्री से करते हुए इसे निराशाजनक बताया। रोहित ने कहा, "जब हम यहां टीवी पर मैच देखते हैं, तो कमेंटेटर्स का बोलने का तरीका बहुत निराशाजनक है।

ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री का स्तर बिल्कुल अलग और बेहतर है। यहां भारत में ऐसा लगता है कि कमेंटेटर्स का मकसद सिर्फ एक खिलाड़ी को निशाना बनाकर नेगेटिव बातें करना है।" रोहित ने आगे कहा कि भारतीय कमेंट्री खेल की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने के बजाय विवादों को बढ़ावा देने पर फोकस है, जो असली क्रिकेट फैंस के लिए अच्छा नहीं है। यह बयान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दिया, जिसने क्रिकेट जगत में चर्चा को जन्म दिया है।

आपको बता दें कि इससे पहले भी कई क्रिकेट फैंस ने अपने आइडल को सोशल मीडिया पर टैग कर, कमेंट्री की क्वालिटी को बेहतर करने की अपील की थी और सहवाग-हरभजन जैसे खिलाड़ियों ने उनकी बात को नजरअंदाज नहीं किया। अब देखना ये होगी कि रोहित शर्मा के इस बयान के बाद भारत में होने वाली क्रिकेट कमेंट्री में कितना बदलाव आता है.

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी पर फारुख इंजीनियर ने जताई नाराज़गी

नई दिल्ली. दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर के बाद अब फारुख इंजीनियर ने भी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को लेकर निराशा जाहिर की है। उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का नाम बदले जाने के इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के फैसले को गलत ठहराया। फारुख इंजीनियर ने यह भी कहा कि इफ्तिखार अली खान पटौदी के नाम पर पटौदी पदक देने का निर्णय प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया है। मैनचेस्टर में रहने वाले फारुख इंजीनियर ने कहा, टाइगर पटौदी मेरे अच्छे दोस्त थे। वह मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी मैच साथ-साथ खेले हैं। 2007 में जब ट्रॉफी को पटौदी के नाम पर देने का फैसला लिया गया तो मुझे उस वक्त बेहद खुशी हुई। फिलहाल मैं इससे निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया है। मैं चाहता हूं कि उनका नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता, लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर ट्रॉफी का नाम रखा गया, जोकि इस खेल के दिग्गज हैं। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में पटौदी पदक दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड को इस संबंध में घोषणा पहले ही कर देनी चाहिए थी। कम से कम विश्वसनीयता बनी रहती, फिलहाल उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है पटौदी नाम हमेशा जुड़ा रहेगा। सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन पर सवाल उठाए बिना उन्होंने कहा, उनकी उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन उन्होंने पदक का नाम पटौदी बहुत सोच-समझकर रखा है।

तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने श्रृंखला जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया। बता दें कि पटौदी परिवार का भारत और इंग्लैंड क्रिकेट से बहुत गहरा नाता है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी ने भारतीय टीम की कप्तानी की है। दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला है। इफ्तिखार अली खान पटौदी इंग्लैंड और भारत की अंतरराष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे।

सुनील गावस्कर ने जताई थी नाराजगी

पटौदी ट्रॉफी को खत्म किए जाने पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी नाराजगी जताई थी। इसके लिए उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड को निशाने पर लेते हुए कहा कि किसी खिलाड़ी के नाम पर दी जाने वाली ट्रॉफी को हटाने का यह पहला मामला है। दोनों बोर्ड का यह कदम इंग्लैंड और भारत के क्रिकेट इतिहास में पटौदी परिवार के योगदान के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। वहीं सुनील गावस्कर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के नाम पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी कहे जाने कहने का आग्रह किया।

सिद्धारमैया की कुर्सी पर संकट?

> सिद्धारमैया को लेकर खरगे का बड़ा बयान

कोलकाता.

कर्नाटक की सियासत में इन दिनों हलचल तेज है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कुर्सी को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर बयान दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि सीएम बदलने का फैसला पार्टी हाईकमान के हाथ में है। यह हाईकमान पर छोड़ दिया गया है और उन्हें आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है लेकिन किसी को भी बेवजह समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए।

वहीं दूसरी तरफ सीएम सिद्धारमैया ने डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह मजबूत रहेगी। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के कर्नाटक दौरे को लेकर अटकलों का बाजार भी गर्म हो गया है। बता दें कि सोमवार को रणदीप सुरजेवाला कर्नाटक पहुंचे, जहां वे पार्टी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। सुरजेवाला के कर्नाटक दौरे पर प्रदेश के गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें सुरजेवाला के दौरे का मकसद पूरी तरह मालूम नहीं, लेकिन यह जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों की तैयारी से जुड़ा हो सकता है।

हालांकि सीएम के बेटे यतींद्र ने सीएम बदलने की खबरों को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता को पार्टी हाईकमान और विधायकों का पूरा समर्थन है। यतींद्र ने कहा कि बतौर सीएम उनके पिता अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

शिवकुमार को सीएम बनाया जा सकता है?

इससे पहले विधायक एचए इकबाल हुसैन ने भी सीएम बदलने का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को अगले कुछ महीने में सीएम बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार इस साल के भीतर कर्नाटक के सीएम बन सकते हैं।

बीएसएफ के हत्थे चढ़ा पाकिस्तानी आतंकी गाइड

> 20 हजार रुपये बरामद

नई दिल्ली.

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की राजौरी बटालियन ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास गश्त के दौरान एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है. गिरफ्तार शख्स की पहचान मोहम्मद अरीब अहमद के तौर पर हुई है. तलाशी के दौरान उसके पास से 20,000 पाकिस्तानी रुपए के साथ कुछ सामान भी बरामद किए गए हैं. अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया पाकिस्तानी नागरिक एक आतंकवादी गाइड है.

बीएसएफ के मुताबिक पूछताछ में अरीब अहमद ने बताया कि वह क्षेत्र की भौगोलिक इलाके से परिचित है और आतंकवादियों को भारतीय बसीमा में घुसपैठ कराने के लिए पाकिस्तानी सेना के निर्देश पर काम कर रहा था. बीएसएफ ने शख्स को राजौरी में एलओसी के पास मंजकोट सेक्टर से अरेस्ट किया गया है. फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है.

बीएसएफ के अनुसार 22 साल के शख्स की पहचान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के दातोटे गांव के निवासी मोहम्मद यूसुफ के बेटे मोहम्मद अरीब अहमद के रूप में हुई है. सुरक्षा बलों ने पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिक के पास से एक मोबाइल फोन, दो लाइटर और कुछ रसीदें भी बरामद की हैं. बताया जा रहा है कि अरीब जैश ए मोहम्मद के चार आतंकवादियों के एक ग्रुप को भारतीय सीमा में लेकर जा रहा था. वहीं सीमा पर तैनात भारतीय जवानों ने रविवार (30 जून) को उसे पकड़ लिया.

अधिकारियों के मुताबिक उसके पास ही मौजूद आतंकवादी चट्टान से नीचे कूद गए और घायल होने के बाद वापस पाकिस्तान सीमा की तरफ लौट गए. पास में पाकिस्तान की चौकियां होने की वजह से सेना के जवान आतंकवादियों पर गोली नहीं चला सके. वहीं इलाके की ड्रोन फुटेज लेने पर इलाके में खून के निशान दिखाई दिए है, इससे पता चलता है कि आतंकवादियों के गिरने की वजह से वह घायल हुए थे. सेना के जवान सीमा पर कड़ी नजर रखे हुए हैं ताकि किसी भी घुसपैठ को रोका जा सकते.

फिलाडेल्फिया में भीषण धमाका

> 1 की मौत, 2 गंभीर, कई मकानों को भारी नुकसान

वाशिंगटन.

अमेरिका के फिलाडेल्फिया के उत्तरी भाग में रविवार को हुए धमाके में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. फिलाडेल्फिया अग्निशमन विभाग के अनुसार, फायर ब्रिगेड कर्मियों को सुबह पांच बजे से पहले विस्फोट की सूचना मिली थी.

विभाग के कार्यकारी अधिकारी डैनियल मैकार्टी ने बताया कि करीब पांच घरों को भारी नुकसान पहुंचा है. एक व्यक्ति की मौत हो गई और बचाए गए दो अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने बताया कि घायलों में एक की हालत स्थिर है, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है. अधिकारियों ने धमाके की वजह का खुलासा नहीं किया है.

इससे पहले मई में फिलाडेल्फिया के एक पार्क में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और तीन किशोरों सहित नौ अन्य जख्मी हो गए थे. पुलिस आयुक्त केविन बेथेल ने घटना के बारे में बताया कि फेयरमाउंट पार्क में गोलीबारी में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई.बेथेल ने कहा कि 'मेमोरियल डे' के मौके पर हुई गोलीबारी में घायल हुए लोगों की हालत स्थिर है.

उन्होंने बताया कि पार्क में अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद गोलीबारी हुई. बेथेल ने कहा कि हम भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं, लेकिन उस वक्त यह चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब व्यक्ति यह निर्णय ले ले कि वह भीड़ पर गोली चलाएगा.

बेथेल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया गया है. आयुक्त ने बताया कि पुलिस ने अब तक कोई हथियार बरामद नहीं किया है. बेथेल ने कहा कि जांचकर्ताओं को अब तक यह पता नहीं है कि घटना को अंजाम देने के लिए एक से ज्यादा बंदूक का इस्तेमाल किया गया था या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में तेजी से गोलीबारी की गई थी.

सूडान में सोने की खदान ने ली 50 जानें

खार्तूम.

पूर्वी सूडान से एक बड़ा हादसा सामने आया है. एक सोने की खदान उस वक्त ढह गई, जब कई मजदूर खुदाई कर रहे थे. इस पूरे हादसे में करीब 50 मजदूरों की मौत की खबर हैं. सूडानी मिनरल रिसोर्सेज लिमिटेड कंपनी ने एक बयान में कहा कि केर्श अल-फील खदान शनिवार को पूर्वी नील नदी प्रांत के रेगिस्तानी शहर होउइद में ढह गई, जिसकी वजह से वहां काम कर रहे 50 मजदूरों की मौत हो गई और कई घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.कंपनी ने कहा कि उसने सोने की खुदाई का काम रोक दिया गया है और अनौपचारिक खनिकों को साइट पर काम न करने की चेतावनी दोहराई है. बता दें सूडान एक प्रमुख सोने का उत्पादन करने वाला देश है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों के कारण खदानों का ढहना यहां आम बात है. वहीं गृह युद्ध और हिंसा के कारण इसके सोने का फायदा यूएई जैसे देश उठा रहे हैं. जिन पर आरोप है कि ये देश अपने निजी फायदे के लिए देश के युद्ध को हवा दे रहे हैं

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अनियमित खनन गतिविधि के लिए मशहूर एक अल्पविकसित जगह पर काम करते समय मजदूरों पर रेत और चट्टानों का बड़ा हिस्सा गिर गया. उन्होंने बताया कि भारी मशीनरी और पेशेवर बचाव दलों की कमी के कारण बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई, जिससे मलबे से दर्जनों शवों को निकालने में देरी हुई.

दो महीने पहले भी इसी स्थान पर इसी तरह की दुर्घटना हुई थी, जिसमें भी कई लोग घायल हुए थे. इस त्रासदी ने कमजोर सरकारी निगरानी और कारीगरी वाले खनन स्थलों पर खराब बुनियादी ढांचे को लेकर आलोचना को फिर से जन्म दिया है, जहां हजारों लोग बिना किसी औपचारिक विनियमन या सुरक्षा मानकों के खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं.

'आप' ने बीजेपी को घेरा, लगाया घोटाले का आरोप

नई दिल्ली.

दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष और आम आदमी पार्टी के पार्षद अंकुश नारंग ने भाजपा शासित एमसीडी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि शिक्षा की हमारी जिंदगी में सबसे ज्यादा भूमिका होती है. सरकार में रहते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार के बजट का 25/26% हिस्सा इसके लिए रहता था. हम एमसीडी में भी इसी मंशा से आए थे कि शिक्षा को बेहतर करेंगे लेकिन कहते हैं ना कि लोग अगर शिक्षित हो गए तो अपने अधिकारों की बात करेंगे और भाजपा की राजनीति खत्म हो जाएगा. आम आदमी पार्टी ऐसा नहीं सोचती.अंकुश नारंग ने कहा, एमसीडी में भाजपा के नेतृत्व में भ्रष्टाचार चल रहा है. एजूकेशन डिपार्टमेंट ने 4 जून 2025 को एक सर्कुलर जारी किया कि टीचर्स की सीनियरिटी की लिस्ट बना रहे हैं. 3 दशक में ऐसा पहली बार हो रहा है तो इन 3 दशकों तक एमसीडी में सरकार किसकी थी? सर्कुलर के मुताबिक 1.1.1995 से 2002 तक की लिस्ट बना रहे हैं. प्रोविजनल लिस्ट पोर्टल पर डाल दी गई. जहां लोगों ने आपत्ति भी दर्ज कराई. सुप्रीम कोर्ट भी यही कहता है कि जब से ज्वाइनिंग है तब से सीनियरिटी लगाई जाएगी. कई ऐसे उदाहरण हैं, जहां पुरानी ज्वाइनिंग डेट वालों को लिस्ट में पीछे रखा गया और बाद वालों को बाद में. लेकिन इन्होंने डाक डेट के हिसाब से सीनियरिटी की लिस्ट बना दी. अधिकारी सत्ता के लोगों को बचाने के लिए ऐसी खबर छिपा लेते हैं. भाजपा अपने लोगों को बढ़ाने या भ्रष्टाचार के पैसे के लिए लोगों को सीनियरिटी और प्रमोशन की लिस्ट में डलवा लेते हैं. जब सीनियरिटी की लिस्ट ही गलत बनाई गई तो प्रमोशन कैसे दे सकते हैं.

चीन-पाकिस्तान की नज़दीकी पर भारत सतर्क

नई दिल्ली.

भारत और चीन के रिश्ते हमेशा से ही जटिल रहे हैं, और हाल ही में एक नए मोड़ पर पहुंच गए हैं। गलवान संघर्ष के बाद जहां दोनों देशों के सैनिकों के बीच गंभीर झड़पें हुईं, भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि चीन पर विश्वास नहीं किया जा सकता, कम से कम आंख मूंदकर तो यकीन नहीं किया जा सकता।

अब, चीन पाकिस्तान के साथ मिल कर भारत के लिए नए खतरे पैदा कर रहा है, और इन दोनों देशों की नीतियां भारत के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। हाल ही में, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस्हाक डार के चीन का दौरे के दौरान दोनों देशों ने आपसी रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने और अफगानिस्तान में सीपीएसई (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) का विस्तार करने पर चर्चा की।

यह भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि इस परियोजना में भारतीय सीमा के पास का इलाका भी शामिल है। पाकिस्तान और चीन का यह सहयोग, भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न कर रहा है।

चीन का दोहरा रवैया: एससीओ से भारत का वॉकआउट

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन से एक महत्वपूर्ण बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसमें पाकिस्तान की ओर से किए गए पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख नहीं था।

इस पर चीन और पाकिस्तान ने बयान की भाषा को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने इसे खारिज कर दिया। सिंह ने चीन को चेतावनी देते हुए कहा, "रिश्तों में नई जटिलताएं न जोड़ें।" इससे स्पष्ट है कि भारत चीन के साथ अपनी सीमाओं को लेकर सतर्क है और किसी भी तरह की समझौता-भरोसा नीति से बचना चाहता है।

अब सवाल यह है कि क्या भारत को चीन पर भरोसा करना चाहिए ? चीन बलूचिस्तान को संघर्ष क्षेत्र बनाने की कोशिश कर रहा है, जबकि अपनी ही धरती पर उइगर मुसलमानों के खिलाफ दमनकारी नीतियां लागू कर रहा है।

ऐसे में भारत को चीन पर विश्वास करने में बहुत सतर्क रहना होगा, खासकर जब चीन पाकिस्तान के साथ मिल कर भारत की सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिश कर रहा है।

श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत प्रतीक

> रामलला के लिए बन रहा है 10 करोड़ का स्वर्ण झूला

अयोध्या.

सावन का महिना आने वाला है. भगवान राम की नगरी अयोध्या में सदियों से झूलनोत्सव की परंपरा चली आ रही है. इस बार सावन शुक्ल तृतीया 29 जुलाई से सावन पूर्णिमा नौ अगस्त तक रामनगरी के हजारों मंदिरों में झूलनोत्सव की धूम देखने को मिलेगी. इतना ही नहीं इस बार सोने के झूले की भव्य झलक से श्रद्धालु भाव विभोर हो उठेंगे.

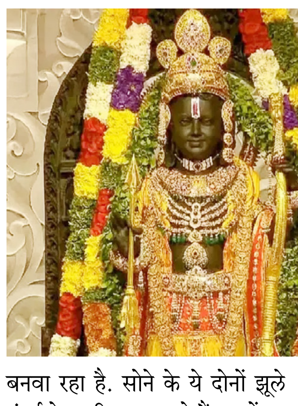

इस बार सावन के झूलनोत्सव में भक्तों को राम मंदिर के भूतल पर विराजमान रामलला और प्रथम तल पर विराजे सीताराम के सोने के झूले में दर्शन प्राप्त होंगे. रामलला और सीताराम के लिए दो भव्य झूले बनवाए जा रहे हैं. ये झूले पांच-पांच किलो के हैं. मंदिर ट्रस्ट झूलों को बनवा रहा है. सोने के ये दोनों झूले मुंबई के कारिगर बना रहे हैं. झूलों पर हीरे, मणिक और पन्ना जड़े जा रहे हैं.

इन झूलों की कीमत पांच-पांच यानी 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है. बताया जा रहा कि सावन में झूलनोत्सव के दौरान अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने उमड़ेंगे. पहली बार ऐसा होने जा रहा है कि राम मंदिर के झूलनोत्सव का दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण भी देखने को मिलेगा. झूलनोत्सव इस बार भव्य होने वाला है. एक झूले पर रामलला की उत्सव प्रतिमा विराजमान की जाएगी.

वहीं दूसरे झूले में सीताराम की उत्सव प्रतिमा सावन मेले में विराजित होगी. रामलला का झूला 26 जुलाई से पहले बनकर तैयार हो जाएगा. ये झूला 26 जुलाई से पहले अयोध्या में आ जाएगा. इसी दिन से यहां झूलनोत्सव की शुरुआत हो जाएगी. रामलला 29 जुलाई को सोने के झूले में विराजमान किए जाएंगे. इसी दिन सीताराम भी सोने के झूले पर विराजमान होंगे.

अमेरिका में बसे भारतीयों को बड़ी राहत

> रेमिटेंस टैक्स घटाकर 1% किया गया

वाशिंगटन.

अमेरिकी सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर डिबेट का सिलसिला जारी है। बिल अभी तक पास होकर कानून नहीं बना है। हालांकि इससे पहले बिल के एक प्रस्ताव ने अमेरिका में रह रहे भारतीयों को एक बड़ी राहत दी है। यह राहत रेमिटेंस टैक्स यानी कि मनी ट्रांसफर टैक्स में दी गई है, जो अमेरिका में रह रहे भारतीयों के लिए एक खुशखबर जैसी है।

अमेरिका में रह रहे एनआरआई लोग, यानी कि नॉन-रेसिडेंट इंडियंस लोगों के लिए रेमिटेंस टैक्स घटा दिया गया है। पहले यह टैक्स 3.5% था, लेकिन 49 के मुकाबले 51 मतों से मंजूरी मिलने के बाद इस टैक्स को घटाकर 1% कर दिया गया है। इससे अमेरिका में रह रहे भारतीयों के लिए भारत में पैसे ट्रांसफर करने अब और आसान हो जाएगा, क्योंकि इस पर टैक्स अब काफी कम हो गया है।

अगर आप भारतीय हैं और अमेरिका में रहते हुए भारत में पैसे ट्रांसफर करना चाहते हैं और इसके लिए कॅश, मनी ऑर्डर, कैशियर चेक या अन्य भौतिक साधनों के ज़रिए पैसे भेजते हैं तो आपको इसके लिए 1% रेमिटेंस टैक्स चुकाना पड़ेगा।

अगर आप इससे भी बचना चाहते हैं तो आपको अमेरिका में जारी डेबिट या क्रेडिट कार्ड या किसी वित्तीय संस्थान के खाते के माध्यम से पैसे भेजने होंगे। नए बदलाव के तहत बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों में रखे गए अकाउंट से किए गए ट्रांसफर को शामिल नहीं किया गया है। वहीं अमेरिका में जारी किए गए डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किए गए ट्रांसफर को भी इस प्रावधान में शामिल नहीं किया गया है।

पीएम मोदी का पांच देशों का मेगा दौरा शुरू

>30 साल बाद जाएंगे घाना

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो जुलाई से पांच देशों के दौरे पर जाएंगे. पीएम मोदी के इस दौरे की शुरुआत घाना से होगी. 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का घाना दौरा हो रहा है. इस दौरान पीएम मोदी घाना के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे. घाना की संसद को संबोधित करेंगे. इसके अलावा पीएम मोदी घाना में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे.

घाना के अलावा पीएम मोदी त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का भी दौरा करेंगे. पीएम मोदी के इस दौरे में ब्राजील में 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेना भी शामिल है. पीएम मोदी की इस आठ दिनों की यात्रा मुख्य उद्देश्य ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेना और इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है.

घाना (2-3 जुलाई): पीएम मोदी पांच देशों के दौरे की शुरुआत घाना से करेंगे. यह पीएम मोदी की पहली घाना यात्रा होगी और 30 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी. वे घाना के राष्ट्रपति से मिलकर आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग पर चर्चा करेंगे, इसके साथ ही एकवास और अफ्रीकी संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करेंगे.

त्रिनिदाद और टोबैगो (3-4 जुलाई): प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी पहली यात्रा होगी. वे राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मिलेंगे और संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित कर सकते हैं. इसका मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करना है.

अर्जेंटीना (4-5 जुलाई): प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. इस बातचीत में रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा और व्यापार जैसे मुद्दों पर फोकस होगा.

ब्राजील (5-8 जुलाई): पीएम मोदी 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. साथ ही राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा करेंगे. यह उनकी चौथी ब्राजील यात्रा होगी.

नामीबिया (9 जुलाई): पीएम मोदी 9 जुलाई को नामीबिया के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वो नामीबिया के राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात करेंगे और नामीबिया के पहले राष्ट्रपति डॉ. सैम नुजोमा को श्रद्धांजलि देंगे. वे संसद को भी संबोधित कर सकते हैं.

यह उनकी पहली नामीबिया यात्रा होगी. नामीबिया में कई खनिजों विशाल भंडार के हैं. नामीबिया से ही चीते आए थे.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088